हिन्दी दैनिक

R.N.I.NO.UPHIN/2014/59804

प्रयाग दर्पण

वर्ष : 09 अंक : 80 प्रयागराज, मंगलवार 20 जून , 2023 हिन्दी दैनिक पृष्ठ–4 मूल्य : 3 रुपया

यूपी सरकार से ज्यादा नौकरियाँ मोदी सरकार ने दी : जितेंद्र सिंह

नई दिल्ली। बेरोजगारी के आंकड़े को लेकर विपक्षी दलों की तरफ से लगातार राजनीतिक हमलों का सामना कर रही मोदी सरकार की तरफ से पलटवार करते हुए केंद्रीय मंत्री जितेंद्र सिंह ने दावा किया है कि पिछले 9 सालों के दौरान मोदी सरकार ने यूपीए सरकार की तुलना में ज्यादा लोगों को नौकरियां दी है। भाजपा मुख्यालय में पत्रकारों से बात करते हुए केंद्रीय मंत्री जितेंद्र सिंह ने कहा कि यूपीए सरकार के पहले 9 वर्ष के दौरान 6,02,045 भर्तियां की गईं। जबकि, प्रधानमंत्री मोदी के नेतश्त्व वाली सरकार के 9 वर्षों के दौरान 8,82,191 भर्तियां की गईं। नौकरियों के गणित और गुणवत्ता, दोनों ही मामलों में मोदी सरकार, यूपीए सरकार की तुलना में कई गुना ज्यादा बेहतर रही है। केंद्रीय मंत्री ने नौकरियों के बारे में विस्तार से बताते हुए दावा किया कि यूपी सरकार के कार्यकाल में 2004 से 2013 के दौरान एसएससी द्वारा 2,07,563 भर्तियां की गई थी। जबकि, मोदी सरकार के 9 वर्षों के दौरान 4,00,691 भर्तियां की गई है। इसी तरह से यूपी सरकार ने यूपीएससी के द्वारा 45,431 नौकरियां दी थी। जबकि, मोदी सरकार में यह संख्या बढ़कर 50,906 पहुंच गई। उन्होंने आगे कहा कि यूपीए सरकार ने आरआरबी के द्वारा 3,47,251 नौकरियां दी थी। लेकिन, मोदी सरकार ने आरआरबी के जरिए इससे कहीं ज्यादा यानी 4,30,594 लोगों को नौकरियां दी है। इसके साथ ही केंद्रीय मंत्री ने पेंशन, कर्मचारियों की क्षमता वशद्धि, कर्मचारी कल्याण, भ्रष्टाचार मुक्त नियुक्ति प्रक्रिया, अच्छे और ईमानदार कर्मचारियों को बढ़ावा देने और शिकायतों के उचित निवारण की व्यवस्था का दावा करते हुए यह भी यह भी जोड़ा कि भारत में ग्रीवांस सेल में जहां एक साल में पूरे देश से सिर्फ 2 लाख शिकायतें दर्ज होती थीं। अब इसको कंप्यूटराइज्ड कर, पांच दिन के अंदर ही शिकायतों का निवारण करने की व्यवस्था बनाई गई है और इसकी वजह से आज सालाना देश भर से करीब 5 लाख तक शिकायतें दर्ज हो रही हैं। उन्होंने स्टार्टअप्स से जुड़ी सरकार की उपलब्धियों का जिक्र करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री ने देश को जागरूक किया कि रोजगार का अर्थ सिर्फ सरकारी नौकरी ही नहीं है और इसका परिणाम यह हुआ है कि आज देश में स्टार्टअप्स की संख्या 350 से बढ़कर 1 लाख हो चुकी है। इसके साथ ही श्अरोमा मिशनश के तहत 3 हजार एग्रीटेक स्टार्टअप भी शुरू हो चुके हैं।

शिवराज सरकार अब कर्मचारियों को खुश करने की तैयारी में है

भोपाल। मध्य प्रदेश में इसी साल होने वाले विधानसभा चुनाव से पहले सत्तारूढ़ दल भाजपा की शिवराज सरकार द्वारा हर वर्ग को खुश करने की कोशिश की जा रही है। आधी आबादी और किसानों के लिए सरकार कई फैसले कर चुकी है। आने वाले दिनों में कर्मचारी वर्ग को खुश करना भी सरकार का लक्ष्य है। राज्य में कर्मचारियों और पेंशनर की संख्या पर गौर किया जाए तो यह संख्या लगभग 14 लाख के आसपास है। इनमें साढ़े सात लाख नियमित कर्मचारी हैं तो साढ़े चार लाख पेंशनर हैं, इसके अलावा सवा दो लाख संविदा कर्मचारी हैं। सरकार इन कर्मचारियों और पेंशनरों को खुश करने की रणनीति पर काम कर रही है। नियमित कर्मचारियों की जहां महंगाई भत्ता बढ़ाने की तैयारी है तो वही पेंशनरों की समस्या का भी निपटारा किया जाना है। इसके अलावा संविदा कर्मचारियों को भी बड़ी सौगात सरकार की ओर से दी जा सकती है। इस पर कर्मचारी कल्याण समिति के माध्यम से विचार–विमर्श जारी है। जानकारों की माने तो 14 लाख कर्मचारी, पेंशनर्स और संविदा कर्मचारियों से जुड़े परिवार और उनसे जुड़े मतदाताओं की संख्या 60 लाख के आसपास पहुंच जाती है।

सुधाकरन को बदनाम करने पर माकपा नेता के खिलाफ कांग्रेस ने की केस दर्ज करने की मांग

तिरुवनंतपुरम। कांग्रेस की केरल इकाई ने सोमवार को पुलिस से मांग की कि वह राज्य कांग्रेस अध्यक्ष के. सुधाकरन को बदनाम करने पर सीपीएम के राज्य सचिव एमवी गोविंदन और पार्टी के मुख पत्र देशाभिमानी के खिलाफ केस दर्ज करे। रविवार को, पार्टी के मुखपत्र ने एक रिपोर्ट प्रकाशित की, जिसे बाद में गोविंदन द्वारा एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में संदर्भित किया गया था कि सुध ाकरन जेल में बंद धोखेबाज एंटीक डीलर मॉन्सन मावुंकल के आवास पर उस समय मौजूद थे, जब वह अपनी घरेलू सहायिका की बेटी का यौन शोषण कर रहा था। एनार्कुलम जिला पॉक्सो अदालत द्वारा मावुंकल को उम्रकैद की सजा सुनाए जाने के एक दिन बाद यह रिपोर्ट और बयान आया। यह मामला 2022 में तब सामने आया, जब मावुंकल धोखाधड़ी के एक मामले में पहले से ही जेल में था, तब उसकी पूर्व घरेलू सहायिका ने पुलिस में याचिका दायर की कि आरोपी उसकी नाबालिग बेटी का जुलाई 2019 में अपने घर पर उसका यौन उत्पीड़न किया। अदालत ने शनिवार को मावुंकल को दोषी पाया और उसे आजीवन कारावास की सजा सुनाई। सुधाकरन ने सोमवार को मीडिया से कहा कि यह निंदनीय है कि गोविंदन, जो पेशे से एक शिक्षक हैं, ने ऐसी घटिया बात कही, जिसमें रत्ती भर भी सच्चाई नहीं है। सुधाकरन ने कहा, मैंने बार–बार कहा है कि मुझे इस मामले की कोई जानकारी नहीं है। उन्होंने कहा कि सीपीएम के मुखपत्र की खबरों और गोविंदन के खिलाफ भी कानूनी सहारा लूंगा। उन्होंने कहा कि माकपा में अगर कोई नेता बचा है, तो उसे इस जघन्य कृत्य के खिलाफ प्रतिक्रिया देनी चाहिए। विपक्ष के नेता वीडी सतीशन ने मीडिया से कहा कि केरल पुलिस को पार्टी के मुखपत्र और गोविंदन के खिलाफ मामला दर्ज करना चाहिए। गोविंदन और देशभिमानी ने जो रिपोर्ट की है वह कोई मजाक नहीं है और यह केरल की राजनीति के इतिहास में एक ब्लैक डे के रूप में जाना जाएगा। यह बेल्ट के नीचे एक हिट है और सीपीआई (एम) राजनीतिक विरोधियों की छवि खराब करने में संलग्न है। सतीशन ने कहा,एक और अजीब बात यह है कि गोविंदन को पीड़िता द्वारा दिए गए 164 बयानों की सामग्री के बारे में कैसे पता चला और इससे भी अधिक दिलचस्प बात यह है कि अपराध शाखा पुलिस ने गोविंदन द्वारा कही गई बातों का खंडन किया है। हम यह देखने के लिए इंतजार करेंगे कि पुलिस इस मामले में क्या करती है।

पंजाब कैबिनेट बैठक खत्म, गुरबाणी प्रसारण को लेकर सीएम मान का बडा बयान

चंडीगढ। सी.एम. मान के नेतृत्व में आज कैबिनेट बैठक हुई जिसमें कई अहम फैसलों पर मोहर लगी। कैबिनेट बैठक के बाद सी.एम. मान ने लाइव होकर प्रेस कॉन्फ्रेंस की। प्रेस कॉन्फ्रेंस में उन्होंने अहम फैसलों के बारे में जानकारी दी। इस दौरान उन्होंने कहा कि सहायक प्रोफेसर की पोस्टें निकाली गई हैं। असिस्टेंट प्रोफसर की आयु में 5 वर्ष की बढौतरी की गई है। उन्होंने कहा कि 37 वर्ष से बढाकर 42 वर्ष कर दी गई है। दूसरा फैसला उन्होंने पावर ऑफ अटार्नी को लेकर सुनाया है। उन्होंने कहा कि ब्लड रिलेशन वालों के लिए पावर ऑफ अटार्नी बिल्कुल फ्री की जाएगी जिसमें माता–पिता, दादा–दादी, बहन आएंगे जबकि ब्लड रिलेशन से बाहर वालों को पावर ऑफ अटार्नी के लिए 2 प्रतिशत फीस देनी होगी। प्रेस कॉन्फ्रेंस दौरान सी.एम. मान ने गुरबाणी प्रसारण को लेकर भी बडा बयान दिया है। उन्होंने कहा कि गुरुद्वारा एक्ट 1925 में बराडकास्ट कोई शब्द नहीं है। उन्होंने कहा कि एस.जी.पी.सी. पर एक ही परिवार का कब्जा है। गुरु की शिक्षा का प्रचार–प्रसार फ्री करना चाहिए। गुरबाणी प्रचार फ्री टू एयर क्यों नहीं होनी चाहिए। सी.एम. मान ने तंज कसते हुए कहा कि जैसे मसंदों से गुरुद्वारे छुडवाए थे ऐसे ही मॉडर्न मसंदों से गुरबाणी छुडाएंगे। उन्होंने कहा कि टेंडर पहले नहीं होते थे। अब टेंडल बनाकर गुरबानी की बोली लगाई जाएगी। जो ज्यादा अमीर होगा वह ले जाएगा, फिर उसका चौनल चलेगा और सारे घरों में उसे टेलीकॉस्ट किया जाएगा। 2012 में 11 वर्ष के लिए सचखंड श्री दरबार साहिब से जो बाणी आती है उसके प्रसारण के अधिकार छीन लिए गए। सी.एम. मान ने कहा कि आपको बता देंकि जुलाई 2023 में गुरबाणी प्रसारण एग्रीमेंट खत्म हो रहा है बादलों के चौनल से। इसलिए उन्होंने कहा कि अगर इस बार कुछ नहीं किया गया तो एक बार फिर 10–11 साल तक फिर गहने रख दिया जाएगा। सी.एम. मान कहा कि इसके लिए उन्होंने बडे–बडे वकीलों से बात की और सलाह–मशविरा लिया। सी.एम. मान ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट का एक आर्डर है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि यह इंटरस्टेट नहीं बल्कि स्टेट एक्ट है। उन्होंने कहा कि अगर धामी साहब सुन रहे हैं तो सुनें कि यह एक स्टेट एक्ट है। वह इसमें कोई संशोधन नहीं कर रहे और न ही कोई बदलाव कर रहे हैं। वह गुरबाणी प्रसारण किसी सरकारी अदारे को नहीं दे रहें।

पंचायत चुनावः बंगाल में केंद्रीय बलों की तैनाती के खिलाफ याचिका पर सुप्रीम कोर्ट करेगा सुनवाई

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने कलकत्ता हाईकोर्ट के उस आदेश को चुनौती देने वाली याचिका पर मंगलवार को सुनवाई करने के लिए सहमति जताई, जिसमें राज्य चुनाव आयोग (एसईसी) को पंचायत चुनावों के लिए पश्चिम बंगाल में केंद्रीय बलों की मांग करने और तैनात करने का निर्देश दिया गया था। वरिष्ठ अधिवक्ता मीनाक्षी अरोड़ा ने जस्टिस सूर्य कांत और जस्टिस एम एम सुंदरेश की अवकाशकालीन पीठ के समक्ष सोमवार को इस मामले का उल्लेख किया और तत्काल सुनवाई की मांग की। राज्य निर्वाचन आयोग की तरफ से पेश अरोड़ा ने बताया कि आदेश के खिलाफ अपील गत शुक्रवार को दायर की गयी थी लेकिन सुनवाई नहीं हुई।

उच्च न्यायालय ने 15 जून को आयोग को निर्देश दिया था कि पंचायत चुनाव के लिए पूरे पश्चिम बंगाल में केंद्रीय बलों की तैनाती के लिए 48 घंटे के अंदर मांग की जाए और उनकी तैनाती की जाए। अदालत ने कहा था कि चुनाव प्रक्रिया के लिए संवेदनशील क्षेत्रों में केंद्रीय बलों को तैनात करने के लिए 13 जून को उसके द्वारा आदेश पारित किए जाने के बाद से अब तक कोई सराहनीय कदम नहीं उठाया गया है।

केदारनाथ के गर्भगृह में भगवान शिवलिंग पर नोट फेंकती महिला का वीडियो वायरल, जांच के दिए आदेश

देहरादून। केदारनाथ मंदिर के गर्भगृह में नोट फेंकती एक महिला का वीडियो सोशल मीडिया पर आने के बाद बदरीनाथ–केदारनाथ मंदिर समिति (बीकेटीसी) के अध यक्ष अजेंद्र अजय ने सोमवार को इस संबंध में अधिकारियों को जांच के आदेश दिए। गर्भगश्ह में पुजारियों की मौजूदगी में हुए इस प्रकरण पर कडी नाराजगी व्यक्त करते हुए अजय ने अधिकारियों से स्पष्टीकरण मांगा तथा जांच कर तत्काल सख्त कार्रवाई करने के निर्देश दिए।

उन्होंने कहा कि उन्होंने इस संबंध में रुद्रप्रयाग के जिलाधिकारी व पुलिस अधीक्षक से भी बात की है और दोषियों के विरूद्ध अविलंब कार्रवाई करने को कहा है। सोशल मीडिया उपयोगकर्ताओं ने भी इस वीडियो पर कडी प्रतिक्रिया व्यक्त की है और वे महिला के साथ ही उसे ऐसा करने से न रोकने वाले पुजारियों की भी आलोचना कर रहे हैं।

गर्भगृह को स्वर्णजडति करने में सोने की जगह पीतल की परतों का उपयोग किए जाने और इसमें करीब सवा अरब रुपये का घोटाला होने के आरोपों को लेकर भी केदारनाथ मंदिर चर्चा में बना हुआ है जहां चारधाम तीर्थ पुरोहित महापंचायत के साथ ही कांग्रेस और समाजवादी पार्टी जैसे राजनीतिक दलों ने प्रकरण की जांच की मांग की है। वहीं, बीकेटीसी और सत्ताध ाारी भाजपा ने इसे हिंदू विरोधी मानसिकता वाले क्षुद्र राजनीतिक तत्वों द्वारा षडयंत्र के तहत फैलाया जा रहा भ्रम बताया है। इसी बीच, गढवाल हिमालय में 11,760 फुट की उंचाई पर स्थित केदारनाथ ध ाम में श्रद्धालुओं के आने का सिलसिला जारी है और रविवार तक 9,88,151 श्रद्धालु बाबा केदार के दर्शन के लिए आ चुके हैं।

वार्षिक रथ यात्रा को लेकर पुरी में सारी तैयारियां पूरी

भुवनेश्वर। ओडिशा सरकार ने भगवान जगन्नाथ की वार्षिक रथ यात्रा को लेकर व्यापक इंतजाम किए हैं। मंगलवार से शुरू हो रही नौ दिवसीय रथ यात्रा को देखने के लिए तीर्थ नगरी पुरी में हजारों श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ रही है। भगवान जगन्नाथ और उनके भाई बलभद्र और छोटी बहन सुभद्रा के रथ जनता को दर्शन देने और गुंडिचा मंदिर जाने के लिए तैयार हैं। तीनों रथों को भव्य तरीके से सजाया गया है। तीन रथों को सिंह द्वार पर लाया जाएगा और पूर्व में गुंडिचा मंदिर की ओर लगाया जाएगा। मंगलवार को लाखों श्रद्धालु इन रथों को खींचेंगे। नबजौबन दर्शन के अवसर पर सोमवार को बड़ी संख्या में भक्तों ने मंदिर में दर्शन किए। अनुष्ठानों के जल्दी पूरा होने के कारण भगवानों के परिमानिका दर्शन सुबह 7.20 बजे शुरू हुए और इसके बाद सुबह 8रू05 बजे सहाना मेला दर्शन हुए, जिसमें भक्तों ने भगवान के नबजौबाना बेशा (पोशाक) के दर्शन किए। ओडिशा के मुख्य सचिव पी.के. जेना भी सोमवार को पुरी में थे। मुख्य सचिव पी.के. जेना ने कहा कि लू की स्थिति को ध्यान में रखते हुए सभी इंतजाम किए गए हैं। उन्होंने कहा कि श्रद्धालुओं के लिए पेयजल की पर्याप्त व्यवस्था की गई है। जेना ने कहा कि अग्निशमन कर्मियों द्वारा पानी का छिड़काव किया जाएगा, साथ ही श्रद्धालुओं को ओआरएस के पैकेट भी दिए जाएंगे। उन्होंने कहा कि सभी अनुष्ठानों को सुचारू रूप से करने के लिए आज शाम वरिष्ठ सेवादारों के साथ चर्चा करेंगे। वहीं त्योहार को लेकर पुरी शहर और उसके आसपास सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए हैं। तीर्थनगरी को 14 जोन और 29 सेक्टरों में बांटा गया है। यात्रा में लगभग 170 पुलिस कर्मियों को तैनात किया जाएगा। वहीं सोमवार को नबजौबन दर्शन के लिए कस्बे में 70 पुलिसकर्मियों की तैनाती की गई है। पहली बार एक तटरक्षक हेलीकॉप्टर समुद्र तट पर गश्त करेगा और पास में तेज गश्ती वाहन तैनात किए जाएंगे। अपर पुलिस महानिदेशक, कानून व्यवस्था, संजय कुमार ने कहा कि इंटरसेप्टर नौकाएं 2 जुलाई तक पारादीप में तैनात रहेंगी। वहीं रेलवे संदिग्ध लोगों पर नजर रखने के लिए प्लेटफॉर्म पर चेहरा पहचानने वाले कैमरे लगाएगा। त्योहार के दौरान कुल 125 विशेष ट्रेनें पुरी के लिए चलेंगी। रथ यात्रा के दौरान कई कंट्रोल स्टेशनों से जुड़े ड्रोन कैमरों की सहायता से बड़ी संख्या में सीसीटीवी कैमरे काम करेंगे। यात्रा को देखते हुए पुरी में वाहनों की आवाजाही पर एक एडवाइजरी जारी की गई है। परिवहन आयुक्त अमिताभ ठाकुर ने कहा कि सभी अंतर्राज्यीय पर्यटक बसें और स्थानीय पर्यटक बसें मालतीपतपुर बस अड्डे पर रुकेंगी। अन्य दैनिक यात्रियों को ले जाने वाली बसों को मालतीपातापुर रेलवे ओवर ब्रिज, तोशाली रेत, ग्रिड स्टेशन चाक और भूदान छक्का से तलबानिया अस्थायी बस स्टैंड तक जाने की अनुमति दी जाएगी। वाहनों को भुवनेश्वर–पुरी मार्ग और कोणार्क मार्ग पर ग्रिड सबस्टेशन और तालाबनिया क्षेत्र के पास पार्क करने की अनुमति दी जाएगी, जबकि ब्रह्मगिरी से आने वाले वाहनों को फ्लोरेंस इंडिया गार्डन पार्किंग स्थल में पार्क किया जाएगा। शटल बसों और ऑटो रिक्शा को तालाबनिया से जिला स्कूल छका तक जाने की अनुमति होगी। वहीं दोपहिया वाहनों को जगन्नाथ बल्लव, मसनिचंडी, माटीटोटा नीलाचल अशोक और ब्लू फ्लैग बीच पार्किंग की सुविधा दी जाएगी।

कोई भी हिंदू, मुस्लिम या कोई अन्य धर्मावलंबी हो, किसी को भी कानून अपने हाथ में नहीं लेना चाहिए : सिद्दारमैया

बेंगलुरू। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्दारमैया ने सोमवार को कहा कि वह राज्य में अप्राकृतिक मौतों को कोई मौका नहीं देंगे। उन्होंने कहा कि राज्य में सांप्रदायिक झड़पों के लिए कोई जगह नहीं है। राज्य में साम्प्रदायिक झगड़ों में मारे गए छह पीड़ितों के परिवारों को 25 लाख रुपये के चेक वितरित करने के बाद मीडिया को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा, कोई भी हिंदू, मुस्लिम या कोई अन्य धर्मावलंबी हो, किसी को भी कानून अपने हाथ में नहीं लेना चाहिए। किसी की मौत नहीं होनी चाहिए। मुख्यमंत्री ने कहा, पुलिस को इस संबंध में स्पष्ट निर्देश दिए गए हैं। किसी के पास कानून हाथ में लेने की ताकत नहीं है। मैं राज्य के लोगों को एक स्पष्ट संदेश देना चाहता हूं। चाहे वे हिंदू हों, ईसाई हों, सिख हों या बौद्ध हों, सभी को सरकार से सुरक्षा मिलेगी। सभी व्यक्तियों के जीवन और संपत्तियों की रक्षा की जाएगी। कोई सवाल ही नहीं है। यही कारण है कि मुआवजे से वंचित रह गए पीड़ितों से बात की जाती है और मुआवजा दिया जाता है। चाहे वह मुस्लिम हो या हिंदू, सरकार को उनके साथ समान व्यवहार करना चाहिए। यह लोगों का पैसा है। मारे गए प्रवीण कुमार नेतारू और हर्ष के परिवारों को तत्कालीन सत्तारूढ़ भाजपा से 25 लाख रुपये का मुआवजा मिला। लेकिन, अन्य को नहीं दिए गए। सीएम ने कहा, मरने वाले सभी इंसान हैं। मश्तकों को समान रूप से देखा जाना चाहिए। तत्कालीन मुख्यमंत्री बसवराज बोम्मई प्रवीण कुमार नेतारू के घर गए थे, मोहम्मद फाजिल का घर करीब था, वह नहीं गए। उन्होंने आगे कहा कि प्रवीण और हर्ष के परिवारों को दिया गया मुआवजा सही है, लेकिन उन्हें दूसरों के लिए भी मुआवजा देना होगा। उन्होंने कहा, सरकार अन्य मृतक व्यक्तियों के परिवारों को रोजगार प्रदान करेगी।

भावनाओं को ठेस पहुंचाने का हक किसी को नहीं आदिपुरुष विवाद पर बोले अनुराग ठाकुर

नई दिल्ली। फिल्म आदिपुरुष पर विवाद थमता नजर नहीं आ रहा है। आदिपुरुष में दिखाए गए संवादों पर हो रहे बवाल के बीच केंद्र सरकार की ओर से भी सख्त टिप्पणी आई है। केंद्रीय सूचना प्रसारण मंत्री अनुराग ठाकुर ने कहा कि किसी को भी किसी की भावनाओं को ठेस पहुंचाने की इजाजत नहीं है। साथ ही उन्होंने कहा कि फिल्म के लेखर और डायरेक्टर विवादित डायलॉग बदलने को तैयार हैं। आदिपुरुष शुक्रवार यानि 16 जून को रिलीज हुई थी। फिल्म में दिखाए गए संवादों को लेकर लोगों को आपत्ति है। इसी को लेकर फिल्म के खिलाफ देशभर में विरोध हो रहा है। फिल्म पर बैन लगाने की भी मांग उठ रही है। फिल्म के डॉयलगों पर भारी विवाद हो रहा है। हनुमान जब लंका में जाते हैं, तो एक राक्षस उन्हें देखकर पूछता है, ये लंका क्या तेरी बुआ का बगीचा है, जो हवा खाने चला आया। वहीं जब माता सीता से मिलने के बाद हनुमान को जब लंका में राक्षस पकड लेते हैं, तो मेघनाथ उनकी पूंछ में आग लगाने के बाद पूछता है, जली। इसके जवाब में हनुमान कहते हैं, तेल तेरे बाप का, कपडा तेरे बाप का और जलेगी भी तेरे बाप की। जब हनुमान लंका से लौटकर आते हैं और राम उनसे पूछते हैं कि क्या हुआ? इसके जवाब में हनुमान कहते हैं– बोल दिया, जो हमारी बहनों को हाथ लगाएंगे, उनकी लंका लगा देंगे। बता दें कि फिल्म में प्रभास, कृति सेनन और सैफ अली खान ने फिल्म में मुख्य भूमिका निभाई है। फिल्म के डायरेक्टर ओम राउत हैं।

सम्पादकीय

समान संहिता का प्रश्न

निस्संदेह, भारत विविधताओं का देश है। विश्वास, संस्कृति व परंपराओं की विविधता उसके मूल में रही है। गाहे–बगाहे देश में समान नागरिक संहिता का मुद्दा उठता रहा है। इस मुद्दे को लेकर राजनीति भी जमकर होती रही है। भाजपा के एजेंडे में शामिल मुद्दे को कांग्रेस समेत कई दल ध्रुवीकरण की कोशिशों के रूप में देखते रहे हैं। विधि आयोग की हालिया पहल ने इस मुद्दे को फिर चर्चा में ला दिया है। आयोग ने देश के हर नागरिक को इस बाबत अपने विचार प्रस्तुत करने का अधिकार दिया है। उल्लेखनीय है कि भारत का संविधान तैयार करने की प्रक्रिया के दौरान भी समान नागरिक संहिता का मुद्दा खासी चर्चा में रहा था। तब भरोसा जताया गया था कि इस लोकतांत्रिक देश में कालांतर में समान नागरिक संहिता लागू करने को मूर्त रूप देने का अवसर आएगा। दरअसल, तब संविधान सभा के कई दिग्गज इसके पक्ष में थे, लेकिन भारतीय समाज की जटिलता और तत्कालीन संवेदनशील स्थिति के चलते इस पर निर्णायक फैसला नहीं हो सका था। बाद में स्वतंत्र भारत में कई बार संसद व विधानसभाओं में इस मुद्दे पर खूब चर्चा होती रही। अब इसी कड़ी में व्यापक आधार रखने वाले धार्मिक संगठनों की इस मुद्दे पर राय मांगी गई है। दरअसल, इस जटिल विषय पर समान संहिता बनाना ही अंतिम हल नहीं है, उसका क्रियान्यवन भी उतना चुनौतीपूर्ण हो सकता है। अलग–अलग धार्मिक समूहों को साथ लेकर आगे बढ़ना आसान भी नहीं होगा। फिर अगले साल होने वाले आम चुनाव व इस साल के अंत तक कई महत्वपूर्ण राज्यों के विधानसभा चुनावों के मद्देनजर इस मामले के सरगर्म रहने के आसार हैं। दरअसल, सवाल विधि आयोग द्वारा इस जटिल मुद्दे पर सार्वजनिक विमर्श को लेकर सिर्फ तीस दिन के समय को लेकर भी है। कुछ लोगों का मानना है कि सारे देश में व्यापक विमर्श के बाद ही इस संवेदनशील मुद्दे पर आगे बात की जानी चाहिए। वैसे विपक्षी दल आरोप लगाते रहे हैं कि सत्तारूढ़ दल इस मुद्दे को ध्रुवीकरण के हथियार के रूप में प्रयोग कर सकता है। इस कयास की एक वजह यह है कि भाजपा के दो प्रमुख एजेंडे– राम मंदिर व अनुच्छेद 370 को हटाने के लक्ष्य हासिल किये जा चुके हैं। वहीं देश में यह बहस पुरानी है कि व्यक्तिगत कानून में व्याप्त विसंगतियों को दूर करके एक देश, एक कानून की अवधारणा को मूर्त रूप दिया जाये। लेकिन धार्मिक रूढ़ियों व राजनीतिक कारणों से ये लक्ष्य पाने संभव न हुए। वैसे किसी भी सभ्य समाज व लोकतांत्रिक देश में सभी नागरिकों के लिये समान कानून के प्रावधान एक आदर्श स्थिति होती है। लेकिन भारतीय समाज की कई तरह की जटिलताएं इसके मार्ग में बाधक बनी रही हैं। निस्संदेह, देश की एकता व सद्भाव का वातावरण भी हमारी प्राथमिकता होनी चाहिए। किसी भी सभ्य समाज में कानून का निर्धारण धार्मिक आधार के बजाय तार्किक व समय की जरूरत के हिसाब से ही होना चाहिए। जरूरत इस बात की है कि समाज में बहुमत व अल्पमतों के हितों की रक्षा की जानी चाहिए।

योग से जीवन को स्वस्थ व शक्तिशाली बनाएं

योग स्वयं के माध्यम से स्वयं की यात्रा हैस अर्वाचीन भारतीय दर्शन शास्त्र की पाठशाला में एक महत्वपूर्ण एवं अद्भुत पाठशाला योग भी हैस योग शब्द मूलतः संस्कृत की भाषा से उपजा शब्द है। योग शब्द की उत्पत्ति संस्कृत के शब्द श्युज,से हुई है इसके दो अर्थ है पहला अर्थ जोड़ना तथा दूसरा बहुत ही वृहद व्यापक शब्द अनुशासन है। योग से उसके अभ्यास के कारण शरीर तथा मस्तिष्क में एक सामंजस्य और संबंध बन जाता है, जिससे मस्तिष्क शांत तथा अनुशासित रहता हैं। यह व्यायाम का ही एक अंग है,जिससे शरीर तथा मन नियंत्रित रह कर जीवन को परिस्थितियों के अनुकूल एवं सफल बनाता है। योग स्वस्थ जीवन जीने का एक विज्ञान है। यह एक प्रकार की यौगिक औषधि है, वह हमारे शरीर के काम करने के तरीकों को धीरे–धीरे बेहतर कर शिथिल अंगों को स्वयं हल्के हल्के ठीक कर देता है। निरोगी काया श्रेष्ठ जीवन का वरदान होती है। यदि आप निरोगी और स्वस्थ हैं तो आप सफलतम व्यक्ति बन सकते हैं धन लिप्सा आकांक्षा लालच से योग मुक्त कर एक खुशनुमा जीवन जीने की जीजिविषा तथा जुजुस्ता पैदा करता है। योग जीवन की एक कला है जो वर्तमान परिवेश में और भौतिक जगत में अत्यंत प्रासंगिक भी है। योग हमें शारीरिक तथा मानसिक रूप से स्वस्थ रखने का एक सशक्त माध्यम है हम सबको, आपको लगता है कि आज के आधुनिक जीवन में हमें एक बहुत अस्त व्यस्त तथा मानसिक असंतुलन वाली जीवन शैली मिली है। यह सभी अनियमित भोजन की आदतों, अभाव या अनुचित नींद या लंबे समय तक कठोर श्रम करने के कारण प्राप्त हुई है। नई पीढ़ी के बच्चे, युवा स्वस्थ जीवन शक्ति सार्वजनिक लचीलापन ऊर्जा और रोगों के लिए प्रतिरोधात्मक क्षमता की खोज में लगे हुए है,और सही सहीं माना जाए तो इन सब का जवाब योग अभ्यास में ही है। योग के आसन प्राणायाम और ध्यान से संयमित शरीर और आत्मा के साथ संतुलित जीवन शैली को प्राप्त किया जा सकता है। और इस जीवन में हम अपने को शक्तिवान,ऊर्जावान महसूस करने लगते हैं। योगाभ्यास के जरिए न केवल बीमारियों से छुटकारा पाया जा सकता है बल्कि स्वयं के अंदर एक नई ऊर्जा का संचार भी किया जा सकता है। अपने बेडौल शरीर को भी योग अभ्यास के जरिए सही आकार में लाने का यह सर्वाधिक सुरक्षित आसान और कारगर तथा लागत विहीन जरिया है। योग्य के वैसे तो कर्म योग, भक्ति योग,ज्ञान योग, राजयोग और हठयोग भी अलग–अलग विभेद हैं, पर सभी पांचों योगों के अलग–अलग तरीके तथा अलग–अलग फायदे हैं। कर्म योग सदैव दूसरों की सेवा के लिए प्रेरित करता है। और इसका मूल्य देश सामाजिक कल्याण यह समाज सेवा ही है। भक्ति योग हमें ईश्वर की साधना कैसे की जाए, यह पाठ पढ़ाता है ।भक्ति योग मनुष्य के अंदर हृदय तथा मस्तिष्क को संतुलित कर एक सकारात्मक ऊर्जा की ओर प्रेरित करता है।भक्ति योग एक प्रकार का मानसिक योग है जिससे मन शांत रहकर सहिष्णुता की उत्पत्ति होती है, यह अहिंसक मार्ग की ओर प्रेरित करता है। ज्ञान योग बुद्धि के विकास एकाग्रता बढ़ाने तथा समाजिक ज्ञान विज्ञान की प्रेरणा देते एवं अध्ययन मनन में मनुष्य की सहायता करता है। राजयोग सर्वाधिक प्रचलित कथा लोकप्रिय योग है। यह योग की सबसे महत्वपूर्ण विधा है इसमें यम, नियम, आसन, प्राणायाम,प्रत्याहार धारणा और ध्यान या समाधि इसमें परम आनंद की प्राप्ति या मोक्ष प्राप्ति की विधाओं के बारे में विस्तृत वर्णन है। योग का इतिहास पांच सौ साल पुराना है। पश्चिमी देशों के लोगों का परिचय योग से तब हुआ जब स्वामी विवेकानंद ने अपने शिकागो की यात्रा के समय लोगों को योग के महत्व के बारे में व्यापक रूप से बताया था। इसके बाद पूरे विश्व में योग के प्रचार प्रसार के लिए कई योग गुरु ने अनथक प्रयास कर योग को विश्वव्यापी फलक पर विराजमान किया। पहली बार अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस 21 जून 2015 को मनाया गया। भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी ने इसकी पहल कर 27 सितंबर 2014 को संयुक्त राष्ट्र संघ की आम सभा में अपने भाषण में उल्लेख कर इसे प्रतिपादित किया। उन्होंने अपने भाषण में कहा था कि योग शारीरिक तथा मानसिक सामंजस्य का अद्भुत सहयोग तथा तरीका है। यह मनुष्य तथा प्रकृति के बीच का एक सामंजस्य स्थापित करने वाला अद्भुत से सेतु है। और तब 11 दिसंबर 2014 को संयुक्त राष्ट्र संघ में उसके 177 सदस्यों द्वारा 21 जून को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस मनाने की सहमति देकर इस प्रस्ताव को मंजूरी प्रदान की थी। इस प्रस्ताव को बहुत ही कम समय में मंजूरी प्रदान कर दी गई, जो कि संयुक्त राष्ट्र संघ के इतिहास की सबसे कम समय में दी गई मंजूरी थी। योग के वैसे तो अनगिनत फायदे हैं। और हम यह कह सकते हैं कि योगाभ्यास ईश्वर द्वारा मानव सभ्यता को दिया गया अप्रतिम उपहार है। योग किसी चमत्कार से कम नहीं। जिन असाध्य बीमारियों का वर्तमान चिकित्सा पद्धति से इलाज नहीं हो पाता,योग उन बीमारियों को शनै शनै उपचार कर ठीक कर देता है। यह शारीरिक मानसिक शांति ऊर्जा शक्ति तो देता ही है, साथ में हमें आत्म संयम, आत्मबल तथा आत्मज्ञान से भी रूबरू कराता है। योग बहुत ही आसान व्यायाम है,यह दैनिक क्रियाओं के साथ स्वस्थ शरीर और मन की क्रिया है। नाड़ी शोधन, कपालभाति, शीतली, अनुलोम विलोम जैसी क्रियाओं से शरीर में प्राण वायु की संतुलित मात्रा बढ़ती है, एवं स्नायु तंत्र मजबूत होता है। कोरोना संक्रमण काल मे कपालभाति,अनुलोम विलोम, नाड़ी शोधन शरीर में ऑक्सीजन की मात्रा बढ़ाने के कारगर उपायों में गिना जाता रहा है, और इसने मरीजों की बहुत मदद भी की है। योग से रोगों की तीव्रता कम हो जाती है, तथा कई रोगों से छुटकारा भी मिल जाता है। अतः आप सभी को योग दिवस की शुभकामनाएं स्वस्थ रहें मस्त रहें निरोगी रहें। **–संजीव ठाकुर**

आज का राशिफल

मेष :– आज सावधानी बरतने की सलाह गणेशजी आपको देते हैं। संभव हो तो सरकार विरोधी कार्य से दूर रहिएगा। दुर्घटना से भी बचकर चलिएगा। बाहर के खानपान की आदत के कारण स्वास्थ्य बिगड़ने की संभावना है। कार्य समयानुसार पूर्ण नहीं होंगे। व्यवसाय में भी संभलकर चलने की गणेशजी सलाह देते हैं।

वृषभ :– आपको रुचिकर मित्रों और स्वजनों के साथ घूमने–फिरने से आनंद–उल्लास प्राप्त होगा। सुंदर वस्त्राभूषण और भोजन का अवसर भी आपको प्राप्त होगा, परंतु मध्याह्न के बाद स्वास्थ्य संभालने की ओर सावधानी बरतने की गणेशजी सलाह देते हैं। खर्च अधिक होगा।

मिथुन :– आपको रुचिकर मित्रों और स्वजनों के साथ घूमने–फिरने से आनंद–उल्लास प्राप्त होगा। सुंदर वस्त्राभूषण और भोजन का अवसर भी आपको प्राप्त होगा, परंतु मध्याह्न के बाद स्वास्थ्य संभालने की ओर सावधानी बरतने की गणेशजी सलाह देते हैं। खर्च अधिक होगा।

कर्क :– गणेशजी कहते हैं कि भविष्य के लिए आर्थिक योजना बनाने के लिए समय अच्छा है। एकाग्रतापूर्वक कार्य करने से कार्य में सफलता अवश्य मिलेगी। किसी के साथ वाद–विवाद न कीजिएगा। विद्यार्थियों के लिए समय अनुकूल है। पारिवारिक वातावरण में शांति बनी रहेगी।

सिंह :– आज आप शारीरिक और मानसिक रूप से अस्वस्थ रहेंगे। माता के स्वास्थ्य को लेकर चिंता रहेगी। आर्थिक रूप से हानि हो सकती है। फिर भी मध्याह्न के बाद आप आर्थिक योजनाओं पर विचार कर सकते हैं। परिश्रम के अनुरूप परिणाम मिलेगा। विद्यार्थियों को कार्य में सफलता प्राप्त होगी।

कन्या:– गूढ़ रहस्य और आध्यात्मिकता के प्रति आपका अधिक आकर्षण रहेगा। गणेशजी के आशीर्वाद से आपको आर्थिक रूप से लाभ होने की संभावना है। नए कार्य का प्रारंभ करने के लिए समय शुभ है। प्रियजनों के साथ मुलाकात होगी। विरोधियों पर आप विजय प्राप्त कर सकेंगे। मध्याह्न के बाद स्थिति में बदलाव होगा।

तुला :– गूढ़ रहस्य और आध्यात्मिकता के प्रति आपका अधिक आकर्षण रहेगा। गणेशजी के आशीर्वाद से आपको आर्थिक रूप से लाभ होने की संभावना है। नए कार्य का प्रारंभ करने के लिए समय शुभ है। प्रियजनों के साथ मुलाकात होगी। विरोधियों पर आप विजय प्राप्त कर सकेंगे। मध्याह्न के बाद स्थिति में बदलाव होगा।

वृश्चिक:– गूढ़ रहस्य और आध्यात्मिकता के प्रति आपका अधिक आकर्षण रहेगा। गणेशजी के आशीर्वाद से आपको आर्थिक रूप से लाभ होने की संभावना है। नए कार्य का प्रारंभ करने के लिए समय शुभ है। प्रियजनों के साथ मुलाकात होगी। विरोधियों पर आप विजय प्राप्त कर सकेंगे।

धनु :– गूढ़ रहस्य और आध्यात्मिकता के प्रति आपका अधिक आकर्षण रहेगा। गणेशजी के आशीर्वाद से आपको आर्थिक रूप से लाभ होने की संभावना है। नए कार्य का प्रारंभ करने के लिए समय शुभ है। प्रियजनों के साथ मुलाकात होगी। विरोधियों पर आप विजय प्राप्त कर सकेंगे।

मकर:– सामाजिक रूप से ख्याति प्राप्त होने से आज व्यावसायिक, आर्थिक तथा सामाजिक रूप से लाभदायी दिन है। मध्याह्न के बाद सावधानी बरतने की सलाह गणेशजी देते हैं। स्वास्थ्य को संभालिएगा। वाहन चलाते समय भी सावधानी रखिएगा। मानसिक रूप से भी कुछ अस्वस्थता का अनुभव होगा।

कुंभ :– आपका मान–सम्मान बढ़ेगा और धनलाभ होने के संकेत गणेशजी आपको देते हैं। प्रत्येक कार्य सरलतापूर्वक संपन्न होगा। कार्यालय में ऊपरी अधिकारी को आपके कार्य से संतोष रहेगा और पदोन्नति के योग हैं। मित्रों के साथ पर्यटन पर जाने का आयोजन भी हो सकता है।

मीन :– व्यवसायी और व्यापारीवर्ग के लिए प्रातरूकाल का समय अनुकूल नहीं है, ऐसा गणेशजी कहते हैं। ऊपरी अधिकारी तथा प्रतिस्पर्द्धियों के साथ व्यर्थ चर्चा या विवाद न करिएगा। कार्यालय का वातावरण अनुकूल होगा। अपूर्ण कार्य पूर्ण होंगे।

आतंकियों की शरणस्थली कनाडा

भारतीय खुफिया एजैंसियों और पुलिस को एक जबरदस्त सफलता उस समय मिली जब सिमी के पूर्व अध्यक्ष और भारत में मोस्ट वांटेड आतंकवादियों में से एक को कनाडा में हिरासत में लिया गया। वह कैम बशीर नाम का आतंकवादी मुलुंड बम धमाके में आरोपी है। 2003 में मुम्बई के उपनगर में रेलवे स्टेशन पर हुए धमाके में 11 लोगों की जान चली गई थी और 70 के लगभग लोग घायल हुए थे। हालांकि बशीर 1992 में देश छोड़कर भाग गया था लेकिन मुम्बई पुलिस को सफलता अब जाकर मिली। इतने वर्षों में बशीर पाकिस्तान, दुबई और कनाडा में चक्कर काटता रहा और पाकिस्तान की खुफिया एजैंसी आईएसआई के साथ मिलकर काम करता रहा। विदेश में रहकर वह भारत में आतंकी गतिविधियों को संचालित करता रहा। बशीर केरल के एर्नाकुल्लम के अलुवा का निवासी था। इंटरपोल की सूचना पर मुम्बई पुलिस ने अदालत में एक आवेदन कर केरल में उसके रिश्तेदारों का डीएनए परीक्षण कराने की मांग की थी। अदालत की अनुमति मिलने के बाद डीएनए परीक्षण किया गया जब बशीर के कनाडा में होने की पुष्टि हुई। मुम्बई पुलिस ने उसके प्रत्यार्पणघ्की प्रक्रिया शुरू कर दी। एयरोमोघटिकल इंजीनियरिंग में स्नातक बशीर ने कुछ समय के लिए नई दिल्ली हवाई अड्डे पर काम भी किया था। अब सवाल यह है कि कनाड भारत विरोधी तत्वों की शरण स्थली क्यों बन गया है। खालिस्तानी हो या मुस्लिम आतंकवादी हर किसी ने कनाडा को क्यों केन्द्र बना रखा है। पंजाब के गैंगस्टर कनाडा में बैठे हैं। कनाडा के अपराध जगत में भारत का बोलबाला है। हैरान कर देने वाली बात यह है कि कई अपराधिक मामलों में वांचित ग्यारह गैंगस्टरों में से 9 पंजाब मूल के निवासी हैं। ब्रिटिश, कोलम्बिया पुलिस का कहना है कि यह गैंगस्टर कई हत्याओं और अपराधों में आरोपी हैं। वहीं पंजाब के ए–सूचीबद्ध सात गैंगस्टरों में से लखबीर सिंह उर्फ लांडा, मूसेवाला हत्याकांड में वांछित गोल्डी बराड़, चरणजीत सिंह उर्फ रिंकू रंधावा, अर्शदीप सिंह उर्फ अर्श डाला और रमनदीप सिंह उर्फ रमन जज इस वक्त कनाडा में छिपे हुए हैं। इसके अलावा अन्य दो गैंगस्टर गुरपिंदर सिंह उर्फ बाबा डल्ला और सुखदुल सिंह उर्फ सुखा दुनेके हैं। दोनों अवर्गीकृत हैं और लक्षित हत्याओं के मामलों में वांछित हैं। पुलिस के

डोजियर में कहा गया है कि सभी सातों गैंगस्टर्स ने छोटे समय के अपराधियों के रूप में शुरूआत की और समय के साथ कट्टरपंथी गैंगस्टर बन गए। खालिस्तान समर्थक तत्व कनाडा में रहकर भारत विरोध की हदें पार कर रहे हैं। पिछले दिनों पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी की हत्या की झांकी निकालने की घटना ने सभी हदें पार कर दी। जो बताती है कि कनाडा में भारत विरोधी पृथकतावादियों के हौसले कितने बुलंद हैं और उन्हें सत्ता में शामिल लोगों का संरक्षण मिला हुआ है। चार जून को हुई इस घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद हर भारतीय राष्ट्रवादी उद्वेलित हुआ है। जिसके चलते भारत सरकार ने भी घटना का कड़ा प्रतिवाद किया है। विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने कड़े शब्दों में कहा है कि ये घटना न तो भारत–कनाडा संबंधों के लिये और न ही कनाडा के लिये ठीक है। यूं तो कहने के लिये भारत में कनाडा के उच्चायुक्त कैमरन मैक ने इस घटना की निंदा की है और कहा है कि उनके देश में हिंसा व नफरत के महिमामंडन के लिये कोई स्थान नहीं है लेकिन वहीं कनाडा सरकार के एक मंत्री ने भारत पर उसके अंदरूनी मामलों में दखल देने का कुतर्क दोहराया है। दरअसल, कनाडा को समझ नहीं आ रहा है कि चरमपंथ, पृथकतावाद और हिंसा की तपिश का ताप देर–सवेर उसे भी महसूस करना पड़ेगा। दुनिया के कई देशों ने ऐसे कृत्यों को संरक्षण की कालांतर कीमत चुकायी है। इस बात का अहसास कनाडा के हुक्मरानों को जितनी जल्दी हो सके, अच्छा है। कभी वहां खालिस्तान के नाम पर जनमत संग्रह कराया जाता है तो कभी भारतीय उच्चायोग घेरा जाता है तो कभी मंदिरों को निशाना बनाया जाता है। कनाडा अपने सीमा क्षेत्र में ऐसी हरकतों को बेकाबू छोड़ता है। यह उचित नहीं है। कनाडा लगातार चरमपंथियों और हिंसा का समर्थन करने वालों को फलने फूलने का मौका दे रहा है और इसके पीछे मकसद चुनावों में कुछ वोट हासिल करना है।

भारत और कनाडा के बीच संबंध सामान्य ही रहे हैं और समय–समय पर दोनों देश कई स्तर पर कूटनीतिक पहल कदमी भी करते रहे हैं लेकिन दोनों देशों में मधुरता तभी बनी रह सकती है जब दोनों आपसी गरिमा का ध्यान रखें। भारत ऐसी गतिविधियों को सहन नहीं कर सकता। बेहतर यही होगा कि कनाडा अपने कानूनों की समीक्षा करे और देश से बाहर करने और उन्हें भरात के हवाले करने के लिए ठोस कदम उठाए। कनाडा के लिए स्पष्ट संदेश है कि वह अपनी जमीन पर भारत विरोधी हरकतों पर रोक लगाए और उन्हें नियंत्रित करे। उसे यह भी देखना होगा कि हर तरह के अपराधी और आतंकवादी उसके यहां ही क्यों छिपे बैठे हैं। **–आदित्य नारायण**

हिन्दू राष्ट्रवाद और अखंड भारत

हमें अखंड भारत की जरुरत नहीं है। हमें क्षेत्रीय सहयोग की जरुरत है ताकि दक्षिण एशिया के देश अपनी–अपनी सरकारों को एकाधिकारवादी प्रवृत्तियों से मुक्त कर आम आदमी की जिन्दगी बेहतर बनाने की दिशा में काम कर सकें. संसद में लगे भित्तिचित्र को अशोक के साम्राज्य के उच्चतर मूल्यों का प्रतिनिधि माना जाना चाहिए। अशोक का साम्राज्य जनकल्याणकारी था, विस्तारवादी नहीं। क्यादेशों के बीच की सीमाएं हमेशा एक सी बनी रहती हैं? या फिर समय के साथ बदलती रहती हैं?कई मौकों पर साम्राज्यों–सम्राटों और आधुनिक राष्ट्र–राज्यों की सीमाओं के बीच के फर्क को जानबूझकर नजरअंदाज किया जाता है। कुछ देश हाल में अस्तित्व में आये हैं और कुछ देशों, साम्राज्यों ,राष्ट्र–राज्यों का अपने–अपने क्षेत्रों में जटिल एवं लम्बा इतिहास रहा है। अक्सर यह कहा जाता है कि हम यहां राज करते थे या श्हमाराश राज्य यहां से यहां तक फैला हुआ था. दरअसल, हमश शब्द का प्रयोग सामाजिक विकास के किसी भी चरण में लोगों के लिए किया जा सकता है, फिर चाहे वे साम्राज्यों की प्रजा रहे हों या आधुनिक राष्ट्र–राज्यों के नागरिक. हमारा सामाजिक स्वरुप भी बदलता रहा है। मानव पहले जब जानवरों का शिकार कर और कंदमूल इकठ्ठा कर और उसके बाद पशुपालन से जीवनयापन करता था तब उसे शायद ही पता रहता था कि वह किस इलाके में रह रहा है। ग्रामीण समाजों और जनजातीय समूहों में लोगों की अपने निवास के क्षेत्र के संबंध में धारणा अत्यंत अस्पष्ट हुआ करती थी। जब इंसान ने खेती शुरू की उसके बाद ही साम्राज्य बने और सीमाओं का अधिक स्पष्ट निर्धारण होना शुरू हुआ। साम्राज्यों की सीमाएं सदैव बदलती रहीं। चोल साम्राज्य और उसके प्रतिद्वंद्वी साम्राज्यों ने धरती के इस हिस्से पर राज किया। राजेन्द्र चोल के काल में चोल साम्राज्य हालांकि बहुत बड़ा हो गया लेकिन फिर भी वह देश के दक्षिण तक सीमित था। अहोम उत्तर–पूर्व में राज करते थे और उनके साम्राज्य की सीमाओं का बहुत स्पष्ट विवरण उपलब्ध नहीं है। यह जरूर ज्ञात है कि इन साम्राज्यों की सीमाएं समय के साथ बदलती रहीं और किसी राजा के उत्तराधिकारी को अपने पूर्ववर्ती के समान क्षेत्र पर शासन करने का अवसर नहीं मिलता था। प्राचीन साम्राज्यों में मौर्य साम्राज्य क्षेत्रफल की दृष्टि से सबसे बड़ा था और शुंग वंश, जिसने इसके बाद राज किया, द्वारा शासित क्षेत्र इससे बहुत अलग था। यहां तक कि अतिचर्चित श्विदेशीश मुगल साम्राज्य भी क्षेत्र की दृष्टि से स्थिर नहीं था। इस वंश द्वारा शासित इलाका औरंगजेब के काल में सबसे बड़ा था जब यह दक्षिण भारत तक फैला हुआ था। अंग्रेजों के आगमन के साथ भारत की सीमाएं अधिक स्पष्ट रूप से निर्धारित हुईं और वे रियासतें जो अपना अस्तित्व बचाए रखने में सफल रहीं भी अंग्रेजों की दया पर निर्भर थीं। उन्होंने ब्रिटिश सत्ता से सांठ–गांठ कर राज किया। इन रियासतों को केवल औपचारिक रूप से सार्वभौमिकता हासिल थी। अंग्रेजों का राज म्यांमार पर भी था, जो उनके साम्राज्य का हिस्सा था और बाद में एक स्वतंत्र राष्ट्र बना। ठीक ऐसा ही सीलोन के मामले में भी था जो आज श्रीलंका के नाम से जाना जाता है। औपनिवेशिक सत्ता का कांग्रेस और भगतसिंह, अंडमान जेल जाने के पहले सावरकर और नेताजी सुभाष की आजाद हिन्द फौज जैसी राष्ट्रवादी शक्तियों ने विरोध किया। अंग्रेजों ने फूट डालो और राज करो की नीति पर अमल किया जिससे साम्प्रदायिक शक्तियां प्रबल हुईं जो एक–दूसरे के समानांतर परन्तु विपरीत थीं। गांधीजी के नेतृत्व वाली राष्ट्रवादी शक्तियों का स्वप्न उस अखंड भारत का था, जो आज के पाकिस्तान, बांग्लादेश और भारत का क्षेत्र है। विभाजन की त्रासदी से राष्ट्रवादी शक्तियों का स्वप्न टूट गया और अंग्रेजों की देश को बांटने की साजिश सफल हुई। मुस्लिम साम्प्रदायिक शक्तियों ने मांग की कि मुस्लिम बहुल क्षेत्रों को मिलाकर पाकिस्तान बने और हिन्दू साम्प्रदायिक शक्तियां अखंड भारत पर अड़ी रहीं, जो उनके अनुसार चिरकाल से हिन्दू राष्ट्र था! जहां हिन्दू और मुस्लिम राष्ट्रवादियों ने धर्म का सहारा लिया और दूसरे समुदाय के लोगों के खिलाफ घृणा फैलाई वहीं राष्ट्रवादी शक्तियों को उस भारत को स्वीकार करना पड़ा जिसकी सीमाएं रेडक्लिफ ने निर्धारित की थीं। भारत धर्मनिरपेक्षता के रास्ते पर चला। धर्मनिरपेक्षता की राह में कई मुसीबतें थीं क्योंकि समाज पूर्णतरू धर्मनिरपेक्ष नहीं था और सत्ताधारी कांग्रेस में बहुत से हिन्दू साम्प्रदायिक तत्व भी थे। नेहरू ने पार्टी के अंदर साम्प्रदायिक शक्तियों की बढ़ती ताकत के बारे में चेताया था लेकिन इस मामले में ज्यादा कुछ नहीं किया जा सका क्योंकि आरएसएस की शाखाओं में प्रशिक्षित हिन्दू साम्प्रदायवादियों का समाज और राजनीति पर प्रभाव बढ़ता गया जिसके कारण अंततरू आज की स्थिति बनी। इन साम्प्रदायिक शक्तियों ने न केवल मुसलमानों और ईसाईयों को हाशिये पर धकेल दिया है बल्कि वे भारतीय संविधान के विरूद्ध प्रचार कर रहे हैं और अपनी विस्तारवादी सोच प्रदर्शित कर रहे हैं। यह नए संसद भवन के उद्घाटन से भी प्रकट होता है जहां अखंड भारत का एक भित्तिचित्र लगाया गया है। इसमें पाकिस्तान, बांग्लादेश, नेपाल, भूटान और श्रीलंका को भारत के हिस्से के रूप में दर्शाया गया है। संसदीय कार्य मंत्री प्रहलाद जोशी ने ट्वीट कियारू श्हमारा स्पष्ट संकल्प है अखंड भारत। जोशी ने कहा अखंड भारत की अवधारणा प्राचीन भारतीय संस्कृति से आई है। संसद का नया भवन भारतीय संस्कृति के विभिन्न पहलुओं को दर्शाता है, जो भारत के विभिन्न क्षेत्रों और उनके सभी आयामों का प्रतिनिधित्व करता ह। एक अन्य भाजपा नेता मनोज कोटक ने ट्वीट किया नए संसद भवन में दर्शाया गया अखंड भारत एक शक्तिशाली और आत्मनिर्भर भारत को दर्शाता है। भारत सरकार के अधिकृत प्रवक्ता अरिंदम बागची ने कहा इस भित्तिचित्र में अशोक का साम्राज्य दिखाया गया है और यह उनके (अशोक) द्वारा अपनाई गई और प्रचारित उत्तरदायी और जनोन्मुखी शासन की अवधारणा को दर्शाता है। पाकिस्तान और नेपाल की सरकारों ने भाजपा नेताओं द्वारा श्अखंड भारतश की बातें करने पर चिंता जाहिर की है। यह काबिलेगौर है कि ये नेता चीन द्वारा भारत की भूमि के एक बड़े टुकड़े पर कब्जा जमाने पर चुप हैं। अखंड भारत की परियोजना आरएसएस के दिमाग की उपज है। महात्मा गांधी ने यह एकदम साफ कर दिया था कि बर्मा और श्रीलंका जैसे देशों के सन्दर्भ में भारत की किसी तरह की साम्राज्यवादी महत्वाकांक्षाएं नहीं हैं। भारत ने अपनी सीमाओं को स्वीकार किया और अपने पड़ोसी देशों से कूटनीतिक सम्बन्ध स्थापित किये। इसी दिशा में दक्षिण एशियाई क्षेत्रीय सहयोग संगठन (सार्क) की स्थापना हुई और भारत ने इसकी गतिविधियों में उत्साह से भागीदारी की। सार्क के कारण दक्षिण एशियाई देशों में संस्कृति, शिक्षा और स्वास्थ्य जैसे क्षेत्रों में परस्पर सहयोग बढ़ा और अंतर्देशीय पर्यटन में भी बढ़ोत्तरी हुई। पीछे कुछ सालों से सार्क की गतिविधियां ठप्प हैं। क्या अखंड भारत का यह मतलब है कि भारत इन देशों पर हमला कर उन पर कब्जा कर लेगा और फिर दिल्ली में बैठा बादशाह (जो पहली ही से बादशाह की तरह व्यवहार कर रहा है) उन पर शासन करेगा? इस तरह का विस्तारवाद, केवल संकीर्ण राष्ट्रवाद पर आधारित देशों को शोभा देता है। हिटलर के राज में जर्मनी इसका एक उदाहरण है। राममनोहर लोहिया और अन्यों ने भारत और पाकिस्तान का महासंघ बनाने की बात कही थी। इस सन्दर्भ में सार्क का अनुभव अत्यंत सकारात्मक था परन्तु भारत में बढ़ती साम्प्रदायिकता और पाकिस्तान, श्रीलंका और म्यांमार जैसे देशों में कट्टरपंथी ताकतों के बढ़ते बोलबाले के कारण सार्क मृतप्राय हो गया है। हमें अगर एक होना है, तो क्षेत्रीय सहयोग ही एकमात्र रास्ता है। हमें सीमाओं को सेतु बनाना होगा। यह एक सपना लग सकता है परन्तु यूरोपियन यूनियन इसका उदाहरण है कि किस प्रकार लम्बे समय तक एक–दूसरे से युद्धरत रहे देश एक हो सकते हैं। आज पूरे यूरोप में एक मुद्रा और एक वीसा है। देशों की सीमाएं खुली हुईं हैं और शिक्षा, स्वास्थ्य, पर्यटन और लगभग हर अन्य क्षेत्र में यूरोप के देश एक साथ मिलकर काम कर रहे हैं और एक बेहतर यूरोप बनाने का प्रयास कर रहे हैं। हां, पिछले कुछ समय से कतिपय महाशक्तियों की महत्वाकांक्षाओं के कारण दुनिया में उथल–पुथल जरूर मची हुई है। हमें अखंड भारत की जरुरत नहीं है। हमें क्षेत्रीय सहयोग की जरुरत है ताकि दक्षिण एशिया के देश अपनी–अपनी सरकारों को एकाधिकारवादी प्रवृत्तियों से मुक्त कर आम आदमी की जिन्दगी बेहतर बनाने की दिशा में काम कर सकें. संसद में लगे भित्तिचित्र को अशोक के साम्राज्य के उच्चतर मूल्यों का प्रतिनिधि माना जाना चाहिए। अशोक का साम्राज्य जनकल्याणकारी था, विस्तारवादी नहीं। विस्तारवादी तानाशाहों ने अपने और अपने आसपास के देशों को बर्बाद करने और लाखों लोगों का खून बहाने के अलावा कुछ हासिल नहीं किया। **–राम पुनियानी**

राजर्षि दशरथ मेडिकल कालेज का निरीक्षण करते उत्तराखंड सरकार के कैबिनेट मंत्री धनसिंह रावत

तीन साल बाद सबसे ज्यादा एमबीबीएस बनाने वाला प्रदेश होगा यूपी : धनसिंह रावत

प्रयाग दर्पण संवाददाता

अयोध्या। राजर्षि दशरथ मेडिकल कालेज गंजा में निरीक्षण के दौरान उत्तराखंड सरकार में कैबिनेट मंत्री धनसिंह रावत, सांसद लल्लू सिंह व भाजपा राष्ट्रीय उपाध्यक्ष अविनाश राय खन्ना ने विद्यार्थियों से संवाद स्थापित किया। मंत्री धनसिंह रावत ने इस दौरान शैक्षिक सुधारों की बात करते हुए अयोध्या से मेडिकल टीम को उत्तराखंड आने के लिए आमंत्रित किया। इसके बाद दर्शननगर मेडिकल कालेज की चिकित्सीय सुविधाओं का निरीक्षण तीनों के द्वारा किया गया।

छात्र छात्राओं को सम्बोधित करते हुए कैबिनेट मंत्री धन सिंह रावत ने कहा कि तीन साल बाद सबसे ज्यादा एमबीबीएस वाले देश भारत व प्रदेश यूपी होगा। सबसे पहले उत्तराखंड सरकार ने विद्यार्थियों को विदेश शपथ की जगह चरक शपथ दिलाने का कार्य किया। जिसे एनएमसी ने भी स्वीकृति प्रदान की। किताबों का ई संग्रहालय होना चाहिए जिससे कोई छात्र अपने मोबाइल से दो लाख किताबों में किसी का भी अध्ययन कर सकता है। जितने भी बच्चे एमबीबीएस कर रहे है। प्रत्येक बच्चा पांच परिवारों को गोद ले। जिससे उनकी स्वास्थ्य दिक्कतों को दूर करने के साथ वह समाज से भी जुड़ जायेगा। उन्होने कहा कि बच्चों को प्रेक्टिकल के लिए बाडी चाहिए थी। जिसके लिए देहदान अभियान चलाकर उत्तराखंड में हर मेडिकल कालेज को दो बाडी उपलब्ध करायी जायेगी। विद्यार्थियों के अध्ययन हेतु 24 घंटे या कम से कम 14 से 15 घंटे लाईब्रेरी खुली रहनी चाहिए। टीचिंग शेयर का कार्यक्रम चलाया जाय जिससे अयोध्या के छात्रों पूरे राज्य के किसी अच्छे लेक्चरों से शिक्षा ग्रहण करने की सुविधा मिले। मेडिकल कालेज में कल्चर प्रोगाम व खेलकूद की सुविधा भी होनी चाहिए। राष्ट्रीय उपाध्यक्ष अविनाश राय खन्ना ने कहा कि हास्पिटल पहुंचने के बाद मरीज का सबसे ज्यादा भरोसा डाक्टर पर होता है। कई बार मरीज डाक्टर को देखते ही ठीक हो जाता है। डाक्टरों की तुलना भगवान से की गई है। अतः डाक्टर सभी की सेवा करने के भाव के साथ काम करें। कामयाब बनने के लिए अपने माता पिता के साथ शिक्षक की रिस्पेक्ट करना सीखें। सांसद लल्लू सिंह ने कहा कि यहां विद्यार्थियों को एक बड़ी परीक्षा पास करने के बाद यह अवसर मिला है। भगवान ने मौका दिया है तो सभी गरीबों की सेवा करें। मेडिकल कालेज को लेकर जो भी आवश्यकताएं सामने आती है उनको निरंतर पूरा करने का प्रयास किया जाता है। इस मेडिकल कालेज को श्रेष्ठ व गुणवक्तापूर्ण बनाने का कार्य करेंगे। मेडिकल कालेज से निकलने के बाद तीनों ने रायबरेली रोड़ का भी निरीक्षण किया। इस अवसर पर भाजपा जिलाध्यक्ष संजीव सिंह, महानगर अध्यक्ष अभिषेक मिश्रा, दिवाकर सिंह, राजेश सिंह, मेडिकल कालेज के प्राचार्य सत्यजीत वर्मा तथा अन्य चिकित्सक, कर्मचारी, छात्र छात्राएं उपस्थित रही।

पति ने साथियों संग मिलकर पत्नी के आशिक का चाकू से रेता गला

रायबरेली। पत्नी की शादी के पहले से आशिक रहे युवक से सुलह समझौता के दौरान पति ने साथियों के संग मिलकर उसका गला रेत दिया है। जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया है। उसे जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। घटना दोपहर बाद की है। सरेनी थाना क्षेत्र के भोजपुर के पास स्थित दशा रानी मंदिर के पास दो लोगों ने मिलकर एक युवक का गला रेत दिया और भाग गए। जिससे युवक गिरकर तड़पने लगा। आसपास के लोगों ने देखा तो मामले की सूचना पुलिस को दी। मौके पर युवक के परिजन भी पहुंचे । युवक को गंभीर अवस्था में सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया गया।

जहां प्राथमिक उपचार के बाद उसे जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। जहां युवक की दशा गंभीर बनी हुई है। पूरे घटना की जानकारी युवक ने पुलिस और परिजनों को दी है। युवक क्षेत्र के गांव भीटा का रहने वाला राहुल (24 वर्ष) पुत्र बबलू है । युवक का क्षेत्र की एक युवती से काफी अर्से से अवैध संबंध है । इस बीच युवती की शादी हो गई । शादी होने के बाद युवती के पति को दोनों के संबंधों के बारे में जानकारी हुई।

अस्पतालों में हीट वेव मरीजों का हो तत्काल इलाज

प्रयाग दर्पण संवाददाता

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने आज हीट वेव (लू) की स्थिति की समीक्षा करते हुए कहा कि कुछ दिनों से प्रदेश के विभिन्न जनपदों में भीषण गर्मी तथा लू का प्रकोप देखा जा रहा है। ऐसी स्थिति में आमजन, पशुधन तथा वन्यजीवों की सुरक्षा के लिए प्रत्येक स्तर पर पुख्ता प्रबन्ध किए जाएं। हीट वेव (लू) के लक्षणों और उससे बचाव के लिए आमजन को जागरूक किया जाए। बीमारी की स्थिति में हर किसी को तत्काल चिकित्सकीय सुविधा मुहैया कराएं। अस्पतालों तथा मेडिकल कॉलेजों में हीट वेव से प्रभावित लोगों का तत्काल इलाज किया जाए। राहत आयुक्त कार्यालय से मौसम पूर्वानुमान का दैनिक बुलेटिन जारी किया जाए। मुख्यमंत्री ने कहा कि सार्वजनिक स्थानों पर प्याऊ का संचालन एक पुनीत कार्य है। गोवंश, श्वान आदि के लिए सार्वजनिक स्थानों पर पानी एवं छाया की व्यवस्था की जानी चाहिए। पक्षियों के लिए छोटे बर्तनों में पानी एवं दाना रखने के लिए आमजन को जागरुक करें। सभी नगर

निकायों तथा ग्रामीण क्षेत्रों में सार्वजनिक स्थानों पर प्याऊ रखवाए जाएं। बाजार में तथा मुख्य मार्गों पर जगह–जगह पेयजल की व्यवस्था हो। इस कार्य में सामाजिक व धार्मिक संस्थाओं का भी सहयोग लिया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि सड़कों पर नियमित रूप से पानी का छिड़काव कराया जाए। पानी की कमी से अत्यधिक प्रभावित क्षेत्रों में टैंकरों के माध्यम से जलापूर्ति सुनिश्चित कराई जाए। शहरों में पेयजल की आपूर्ति निर्धारित रोस्टर के अनुरूप की जाए। सभी हैण्डपम्प को क्रियाशील रखा जाए एवं ग्रामीण पाइप पेयजल योजनाओं का सुचारु संचालन किया जाए। भीषण गर्मी के बीच पशुधन और वन्य जीवों की सुरक्षा का भी ध्यान रखा जाना आवश्यक है। सभी प्राणि उद्यानों तथा अभ्यारण्यों में हीट वेव एक्शन प्लान का प्रभावी क्रियान्वयन किया जाए। पशुओं को हीट वेव की स्थिति में सुरक्षित रखने के पुख्ता इंतजाम हों। गोशालाओं में पशुधन के चारे और पानी की उचित व्यवस्था हो। तेज गर्मी का मौसम है एवं लू चल रही है। ऐसे में गांव हो या शहर, कहीं भी अनावश्यक बिजली कटौती न हो। ट्रांसफॉर्मर जलने अथवा बिजली के तार टूटने जैसी समस्याओं का अविलम्ब निस्तारण किया जाए।

संक्षिप्त खबरे

निराश्रित पशु से टकराकर बाइक सवार की हुई दर्दनाक मौत

लालगंज,रायबरेली। कोतवाली क्षेत्र के अंतर्गत तहसील कार्यालय चांदा के पास हुई सड़क दुर्घटना में बाइक सवार एक व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हो गया । सूचना मिलने पर पुलिस ने उसे लालगंज सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया जहां से डॉक्टरों ने रायबरेली जिला अस्पताल के लिए रेफर कर दिया था लेकिन अस्पताल ले जाते समय रास्ते में ही उसकी मौत हो गई । दुर्घटना रविवार रात नौ बजे के करीब हुई है। पूरे लोधन मजरे आंबा थाना डलमऊ निवासी देशराज(50)पुत्र श्री लाल बाइक से दावत में गये थे जहां से रविवार रात 9 बजे के करीब वापस घर को जा रहे थे। तभी अचानक बाइक सवार देशराज सड़क पर विचरण कर रहे निराश्रित मवेशी से टकरा गए और गंभीर रूप से घायल हो गये। स्थानीय लोगों की सूचना पर मौके पर पहुंची पुलिस ने घायल देशराज को इलाज के लिए नजदीकी स्वास्थ्य केंद्र भेजा लेकिन उसकी हालत गंभीर होने पर उन्हें जिला अस्पताल के लिए रेफर कर दिया गया । घर देशराज की जिला अस्पताल पहुंचने से पहले उनकी मौत हो गई । युवक की मौत से परिजनों में कोहराम मच गया । वहीं मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा है।

भूमिधरी जमीन पर अवैध कब्जे की शिकायत

ऊंचाहार,रायबरेली। भूमिधरी जमीन पर अधिकारियों के निर्देश के बाद क्षेत्रीय लेखपाल की उदासीनता के चलते अवैध निर्माण नहीं रुक रहा है, पीड़ित ने कोतवाली में शिकायती पत्र देकर गुहार लगाई है। मामला क्षेत्र के गांव इटौरा बुजुर्ग का है, गाँव के रहने वाले पुष्पराज पांडेय का कहना है कि उसकी गाँव में स्थित भूमिधरी जमीन पर गाँव के ही एक व्यक्ति द्वारा कई बार कब्जा करने का प्रयास किया गया, पिछले महीने समाधान दिवस में मामला पहुंचने पर अधिकारियों ने दूसरे पक्ष को निर्माण करने के लिए रोका और क्षेत्रीय लेखपाल को भूमि चिन्हित करने के लिए निर्देशित किया लेकिन आरोप है कि एक माह बीतने के बाद लेखपाल द्वारा कोई कार्यवाही नहीं की गई और प्रतिपक्षी द्वारा उसकी भूमि पर कब्जा के नीयत से निर्माण शुरू कर दिया गया है,सोमवार को पीड़ित ने कोतवाली में तहरीर देकर गुहार लगायी है। कोतवाल बालेन्दु गौतम ने बताया कि उभय पक्षों को बुलाकर मामले का निस्तारण कराया जायेगा।

ट्रैक्टर चोरी की घटना का पुलिस ने किया पर्दाफाश

सोहावल–अयोध्या। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षकध्पुलिस उप महानिरीक्षक अयोध्या मुनिराज जी द्वारा सक्रिय अपराधियों के विरूद्ध चलाये जा रहे विशेष अभियान के क्रम में अपर पुलिस अधीक्षक ग्रामीण के मार्गदर्शन व क्षेत्राधिकारी सदर जनपद अयोध्या के पर्यवेक्षण एवं प्रभारी निरीक्षक थाना रौनाही जनपद अयोध्या के कुशल नेतृत्व में चोरी की रोकथाम हेतु गठित टीम द्वारा थाना रौनाही में पंजीकृत मु0अ0सं0 275,23 धारा 379,411 आईपीसी थाना रौनाही जनपद अयोध्या से सम्बन्धित अभियुक्त लवकुश वर्मा पुत्र राज करन वर्मा निवासी बरवा थाना रौनाही जनपद अयोध्या को बरवां तिराहा से गिरफ्तार किया गया। आरोपी के पास से धन्नीपुर प्राथमिक विद्यालय से जल जीवन मिशन अन्तर्गत कार्य कर रही संस्था की स्वराज ट्रैक्टर जो चोरी हो गयी थी। उसे बरामद किया गया। अभियुक्त को न्यायालय रवाना किया गया। गिरफ्तार अभियुक्त का नाम लवकुश वर्मा पुत्र राजकरन वर्मा निवासी बरवां थाना रौनाही है। गिरफ्तारी व बरामदगी करने वाली टीम में उ0नि0 रामाशंकर हे0का0 मुकेश यादव , हे0का0 मेराजुल हसन का0 प्रियेश तिवारी व कां0 अजीत सिंह शामिल रहे।

17 हजार की नकदी समेत कई लाख के जेवरात चोरी

पहला (सीतापुर)। थाना रामपुर कलां क्षेत्रांतर्गत बीती रविवार की बिलहरी गांव में बेखौफ अज्ञात चोरों द्वारा घर के दरवाजे की कुंडी खोलकर घर के अंदर कमरे की अलमारी का ताला तोड़कर उसमें रखी 17 हजार रुपये की नकदी तथा कई लाख के सोने चांदी के जेबरों पर हाथ साफ कर दिया गया। वहीं ग्रह स्वामी के जागने की आहट पाकर चोर भाग निकले। मिली जानकारी अनुसार थाना क्षेत्र की ग्राम पंचायत जसमांडा के मजरे बिलहरी निवासी जितेंद्र सिंह पुत्र अवधेश सिंह के घर में जब पूरा परिवार सो रहा था। तभी बीती रविवार की करीब एक बजे घर के दरवाजे की कुंडी खोलकर घुस गए तथा कमरे के अंदर रखी अलमारी का लाकर तोड़कर उसमें रखी 17000 नकदी, 2 तोला सोने की एक चैन, 4 सोने की अंगूठी, 1 जोड़ी सोने की बाली, 2 जोड़ी चांदी की पायल, 2 जोड़ी चांदी की बिछिया समेत एटीएम आदि जरूरी कागजात चुरा ले गये। गृहस्वामी के आहट पाकर चोर भाग गए तथा एटीएम आदि थोड़ी दूर पर डाल गये। पीड़ित द्वारा थाना रामपुर कलां में प्रार्थना पत्र दे दिया गया है। अब देखना यह है कि पुलिस इस मामले का कब खुलासा कर पाती है। हालांकि कंचनपुर में मछली व्यवसाई समेत लूट चोरी आदि की घटनाओं का कई वर्ष बीतने के बाद भी रामपुर कलां पुलिस आज तक खुलासा नहीं कर सकी है।

अत्यधिक शराब पीने से युवक की मौत

लखनऊ। राजधानी क्षेत्र में एक युवक की अत्यधिक शराब पीने से मौत हो गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम को भेजा। पुलिस का कहना है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही कहा जा सकता है कि मौत कैसे हुई है। हालांकि परिवार वालों का कहना है कि अत्यधिक शराब पीने से मौत हुई है। यह घटना थाना सआदतगंज की है। अनिल यादव पुत्र स्व. लक्ष्मीनारायण यादव निवासी बावली चौकी थाना थाना सआदतगंज ने पुलिस को सूचना दिया कि उनके घर के बगल में उनके छोटे भाई सुधार यादव उम्र करीब 45 वर्ष पुत्र स्व. लक्ष्मीनारायण यादव का घर है। 18 जून को उसके परिवार व पड़ोसियों को उनके छोटे भाई सुधीर यादव के मकान से बदबू महसूस होने पर उन लोगों ने घर के अंदर जाकर देखा कि बरामदे में उनका भाई सुधीर यादव मृत अवस्था में पड़ा था।

हर मोमिन के दिल में यह तमन्ना होती है कि उसे मक्का और मदीना शरीफ का दीदार नसीब हो

प्रयाग दर्पण संवाददाता

लहरपुर देहात (सीतापुर)। हज की तारीख ज्यो–ज्यो निकट आती जा रहे हैं। हज के लिए जाने वालों के काफिले की रवानगी का सिलसिला जारी है। हज के मुबारक सफर पर जाने वालों को विदा करने वाले रिश्तेदार और दोस्त अहबाब दुआओं में याद रखने की फरियाद करते नजर आए लहरपुर से हाजियों का आखिरी काफिला भी आज हज के मुबारक सफर के लिए रवाना हुआ। अखिल भारतीय व्यापार मंडल लहरपुर व सर्राफा एसोसिएशन के अध्यक्ष एवं समाजसेवी रियाज अहमद को विदाई देने के लिए बड़ी संख्या में लोग शामिल हुए। खान काह हजरत रमजान अली शाह के पदाधिकारी हाजी सोहराब अली कादरी ने इस मौके पर अपने खयालात का इजहार करते हुए कहा कि हर मोमिन के दिल में यह तमन्ना होती है कि उसे मक्का और मदीना शरीफ का दीदार नसीब हो। जिन लोगों को हज का मुबारक फरीजा अदा करने का मौका मिला वह बहुत

खुशनसीब है अल्लाह इनका हज कुबूल करें। इस मौके पर नगर पालिका परिषद लहरपुर के अध्यक्ष हाजी जावेद अहमद, शिक्षक अनवर अली, वरिष्ठ अधिवक्ता जेडआर रहमानी, खुरशेद गौरी, खीरी से जकी अहमद गौरी, हाजी मोहम्मद शोएब, इकबाल अकरम वारसी, आशीष रस्तोगी रवि, संतोष कश्यप, हाजी रईस अहमद, हाजी कमालुद्दीन, सलाउद्दीन गौरी, मुबाशिर हुसैन बबलू, विशाल कपूर, अब्दुल कबीर खान, लतीफ कुरेशी, अब्दुल मतीन मंसूरी, लुकमान खान, हरीश जायसवाल, अधिवक्ता श्रीकांत सिंह, श्रवण जायसवाल, राजीव मिश्रा, मुफ्ती अब्दुर्रहमान, हाफिज जाकिर अली, कारी सैय्यद मुख्तार हुसैन आदि ने रियाज अहमद को मुबारकबाद पेश की तथा गुलपाशी करके हज के सफर के लिए रवाना किया। इस मौके पर रियाज अहमद ने सभी का शुक्रिया अदा किया।

एयर कमोडोर शमशेर सिंह ने संभाली कमान

लखनऊ। एयर कमोडोर शमशेर सिंह दलाल ने 19 जून 2023 को एयर कमोडोर एन के सैधा से 07 वायु सेना अस्पताल कानपुर की कमान संभाल ली है। सशस्त्र बल मेडिकल कॉलेज, पुणे के पूर्व छात्र रहे एयर कमोडोर शमशेर सिंह दलाल ने 13 जनवरी 1993 को भारतीय वायु सेना में कमीशन लिया था। उनकी पिछली नियुक्तियों में वगीर्कृत विशेषज्ञ और एएफएमसी पुणे में प्रोफेसर बाल रोग विशेषज्ञ और कमान अस्पताल वायु सेना बेंगलुरु में वरिष्ठ सलाहकार और बाल रोग विभाग के प्रमुख शामिल हैं। एयर कमोडोर शमशेर सिंह दलाल को अरुणाचल प्रदेश के दुर्गम इलाके में हादसे का शिकार हो चुके बस के यात्रियों को बचाने के लिए उन्हें राष्ट्रपति द्वारा उत्तम जीवन रक्षा पदक से सम्मानित किया जा चुका है। वायु सेना अस्पताल गोरखपुर में उनकी सराहनीय सेवा के लिए वायुसेना प्रमुख द्वारा सराहना की गई।

सम्पन्न और समृद्ध हो रहा है यूपी -केशव मौर्य

लखनऊ। उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य आज सिद्धार्थ नगर के बांसी माघ मेला मैदान मे कहा कि मोदी के नेतृत्व में देश सम्पन्न और समृद्ध हो रहा है । सुशासन– विकास– और रोजगार डबल इंजन सरकार की देन है।

इस अवसर पर सांसद डुमरियागंज जगदम्बिका पाल, विधायक बांसी जय प्रताप सिंह, विधायक कपिलवस्तु श्यामधनी राही, सहजानन्द राय, पूर्व मंत्री डा0 सतीश चन्द्र द्विवेदी, पूर्व विधायक डुमरियागंज राघवेन्द्र प्रताप सिंह, कन्हैया पासवान, राम जियावन मौर्य आदि उपस्थित थे। उप मुख्यमंत्री ने कहा कि डबल इंजन की सरकार के माध्यम से गरीबो के जीवन को खुशहाल करने के लिए योजनाओं का अंबार लगा हुआ है। गरीबो के मसीहा बनकर उनकी सेवा में समर्पित रहते है। सरकार द्वारा आवास, गैस कनेक्शन,विद्युत कनेक्शन, आयुष्मान कार्ड, और अन्य बुनियादी सुविधायें दी जा रही है। प्रधानमंत्री आवास तथा मुख्यमंत्री आवास के लाभार्थी को 90 दिन की मनरेगा की मजदूरी आवास निर्माण हेतु दी जाती है। 2019 से किसानो को रू0 6000 प्रतिवर्ष किसान सम्मान निधि के रूप में दी जा रही है। कोरोना काल से 80 करोड़ लाभार्थियों को निःशुल्क खाद्यान्न दिया जा रहा है। प्रधानमंत्री सफाईकर्मी का पैर धोकर उन्हे सम्मान देते है। मनरेगा द्वारा गांवों में अन्त्येष्टि स्थल बनाया जा रहा है। अपने गांव में अमृत सरोवर जलाशय के सफाई कर 21 जून को अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर योग करे। मोदी कहते है हम किसी को छेड़ेगे नही और जो हमे छेड़ेगा, हम उसे छोड़ेगे नही। सिद्धार्थनगर में 25 हजार आवास दिये गये है। आज विश्व के सबसे ताकतवर देश अमेरिका का राष्ट्रपति हमारे प्रधानमंत्री को विश्व का सर्वाधिक लोकप्रिय नेता कहा है। आज सभी पात्र लाभार्थियों को आवास, शौचालय, गैस कनेक्शन, किसान सम्मान निधि का लाभ मिल रहा है।

आठ आईपीएस अधिकारियों का ट्रांसफर, आकाश कुलहरी बने ज्वाइंट सीपी लखनऊ

प्रयाग दर्पण संवाददाता

लखनऊ। निकाय चुनाव खत्म होने के बाद से ही यूपी में अफसरों के तबादले का दौर शुरू हो गया है। योगी आदित्यनाथ सरकार ने सोमवार को आठ आईपीए अधिकारियों का ट्रांसफर किए। इसके अलावा चार जनपदों में तैनात पुलिस कमिश्नर इधर से उधर किए गए। लखनऊ पुलिस कमिश्नरेट में तैनात नीलाब्जा चौधरी को कानपुर नगर कमिश्नरेट में तैनात किया गया है। नीलाब्जा चौधरी लखनऊ कमिश्नरेट बनने के बाद से इस पर पर तैनात रहे। वहीं प्रयागराज अपर पुलिस आयुक्त कमिश्नरेट में तैनात आकाश कुलहरी को लखनऊ कमिश्नरेट भेजा गया है। एंटी नारकोटिक्स टास्क फोर्स लखनऊ में तैनात पवन कुमार को पुलिस उपायुक्त प्रयागराज बनाए गए।

गौतमबुद्ध नगर कमिश्नरेट में तैनात रवि शंकर छवि को लखनऊ कमिश्नरेट में तैनात किया गया है। लखनऊ

पुलिस उपमहानिरीक्षक में तैनात अमित वर्मा को अपर पुलिस आयुक्त कमिश्नरेट कानपुर नगर में तैनात किया गया है। लखनऊ में पुलिस उपमहानिरीक्षक भष्ट्राचार में तैनात बबूल कुमार को गौतमबुद्ध नगर कमिश्नरेट भेजा गया है। गौतमबुद्धनगर कमिश्नरेट में सुनीति को पुलिस उपायुक्त के पद पर तैनात किया गया है। वह अभी तक लखनऊ प्रशासन मुख्यालय में एसपी के पद पर तैनात थीं। वहीं श्रद्धा नागेंद्र पांडेय को प्रयागराज कमिश्नरेट का पुलिस उपायुक्त बनाया गया है। नई तबादला सूची के मुताबिक आईपीएस बबलू कुमार को एक बार फिर बड़ी जिम्मेदारी मिली है। बबलू कुमार की अभी तक पुलिस उप महानिरीक्षक भ्रष्टाचार निवारण संगठन उ.प्र. लखनऊ में तैनात थे अब उनकी नई तैनाती अपर पुलिस आयुक्त कमिश्नरेट गौतमबुधनगर बनाया।

बैंक कर्मियों ने तालाबंदी कर की हड़ताल, लेनदेन हुआ प्रभावित

अयोध्या। ज्वाइंट फोरम के आह्वान पर सोमवार से बैंक कर्मियों ने दो दिवसीय हड़ताल शुरू कर दी है। बैंक कर्मियों ने दावा किया है कि हड़ताल से करोड़ों का लेनदेन और अन्य कामकाज प्रभावित हुए हैं। प्रथम दिन सोमवार को बड़ौदा यूपी बैंक के क्षेत्रीय कार्यालय के परिसर पर इम्पालइज एवं सेवानिवृत्त अधिकारी कर्मचारी के नेतृत्व में सभी धरना स्थल पर एकत्रित हुए। सभा की अध्यक्षता ऑफिसर्स एसोसिएशन के अध्यक्ष राजेश खत्री ने की। सभा में वक्ताओं ने हड़ताल की जिम्मेदारी बैंड आफ बड़ौदा के रवैये को दी। आरोप है कि नोटिसों, वार्ता के उपरान्त भी बैंक हित की किसी भी मांग को नहीं माना गया। जिससे कारण मजबूर होकर बैंक आफ बड़ौदा प्रायोजित ग्रामीण बैंकों में हडताल की गई है। प्रमुख मांगों में कमेटी की सिफारिशों के अनुरूप नयी भर्ती व प्रोन्नति, बोस्टन कमेटी की सिफारिश के नाम पर 400 शाखाओं की बन्दी का विरोध समेत अन्य मांगें शामिल हैं।

मुखबिर तंत्र बढ़ायें ताकि न होने पाये अवैध शराब का कारोबार: भूसरेड्डी

लखनऊ। अपर मुख्य सचिव आबकारी संजय आर.भूसरेड्डी ने कहा कि जनपदों में ओवर रेटिंग पाये जाने वाली आबकारी दुकानों के मामले में नियमानुसार प्रशमन व निरस्तीकरण की कार्रवाई की जाये। ऐसे में जो भी सेल्समैन जो इन कार्यो में लिप्त हैं, उनके विरूद्ध कार्रवाई करते हुए आबकारी विभाग के पोर्टल पर सम्बन्धित सेल्समैन का विवरण आधार नम्बर सहित डाला जाये। उसके विरूद्ध कठोर कार्यवाही करने के साथ–साथ उनको ब्लैक लिस्ट भी किया जाये। ये निर्देश अपर मुख्य सचिव ने जनपद जौनपुर में चीनी उद्योग एवं गन्ना विकास तथा जनपद के आबकारी विभाग की विभागीय समीक्षा बैठक में दिये। इसी क्रम में एसीएस आबकारी ने वाराणसी में आबकारी विभाग के प्रवर्तन कार्य तथा आबकारी राजस्व प्राप्तियों की समीक्षा की। अपर मुख्य सचिव ने समीक्षा बैठक में वर्तमान में चलाये जा रहे विशेष प्रवर्तन अभियान के अन्तर्गत आबकारी अपराधों पर प्रभावी नियंत्रण रखने के लिये निरन्तरर प्रवर्तन कार्य किये जाने के निर्देश दिये। उन्होंने यह भी कहा कि प्रवर्तन कार्यों में पुलिस, प्रशासन, परिवहन, जीएसटी और आबकारी विभाग द्वारा समन्वय स्थापित करते हुए प्रभावी कार्ययोजना बनाकर प्रवर्तन कार्य किये जाये। बोले कि मुखबिर तंत्र विकसित करते हुए यह सुनिश्चित किया जाय कि कोई भी व्यक्ति अवैध शराब का कारोबार न कर पाये। संयुक्त आबकारी आयुक्त वाराणसी जोन और उप आबकारी आयुक्त, वाराणसी प्रभार सहित समस्त अधिकारी अपने मुखबिरी तंत्र को मजबूत करें । आगे कहा कि पर्यवेक्षणीय अधिकारी अपने कार्य क्षेत्र में भ्रमणशील रहें तथा जनपदों में कार्यरत विभिन्ने आबकारी अनुज्ञापनों का निरीक्षण मानक्रम के अनुसार गम्भीरता से निरीक्षण करें। अपर मुख्य सचिव ने विदेशी मदिरा, मदिरा व बीयर के थोक अनुज्ञापनों तथा फुटकर दुकानों का मानक के अनुरूप निरीक्षण करने के साथ ही जिन दुकानों पर स्वीकृत ब्राण्डों की उपलब्धता न हो, उन पर तत्काल अपेक्षित ब्राण्डों की उपलब्धता सुनिश्चित कराये जाने के आदेश दिये। अंत में उन्होंने समीक्षा बैठक में उपस्थित समस्तव अधिकारियों व आबकारी निरीक्षकों को अवैध मदिरा के निर्माण, बिक्री एवं तस्क्री पर पूर्ण अंकुश लगाते हुए शासन द्वारा निर्धारित राजस्वि लक्ष्यण के सापेक्ष शत–प्रतिशत प्राप्ति सुनिश्चित करने के निर्देश दिये।

अन्तरराष्ट्रीय योग दिवस को लेकर बैठक करती कुलपति प्रो. प्रतिभा गोयल

अयोध्या के पांच स्थलों पर एक साथ करेंगे तीन हजार लोग योग

अयोध्या। डॉ0 राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय प्रशासन द्वारा 21 जून को अन्तरराष्ट्रीय योग दिवस को भव्य बनाने की तैयारियों को अंतिम रूप दिया गया। प्रभु श्रीराम की नगरी अयोध्या के पांच स्थलों पर एक साथ करीब तीन हजार लोग योग करेंगे। योग दिवस की तैयारियों को लेकर अविवि की कुलपति प्रतिभा गोयल ने कौटिल्य प्रशासनिक भवन के सभागार में सोमवार को पूर्वाह्न योग समिति के संयोजकों एवं सदस्यों के साथ समीक्षा बैठक की। बैठक में कुलपति प्रो0 गोयल ने बताया कि 21 जून को अन्तरराष्ट्रीय योग दिवस पर प्रातः 6 बजे से एक घंण्टे का योग कराया जायेगा। इसमें अयोध्या के पांच स्थलों में विश्वविद्यालय परिसर में एक हजार, सरयू घाट पर पांच सौ, राम की पैड़ी

व लक्ष्मण घाट पर तीन सौ, गुप्ताघाट पर चार सौ व नाव पर एक सौ तथा विश्वविद्यालय द्वारा गोद लिए गांव में माधवपुर, मसौधा में 250 से अधिक लोगों को विश्वविद्यालय प्रशासन द्वारा योग कराया जायेगा। बैठक में कुलपति ने बताया कि योग दिवस को एतिहासिक बनाने के लिए अयोध्या के योग स्थलों पर पर्यवेक्षकों की तैनाती की गई है। इनकी निगरानी में प्रबुद्धजन, जिले के अधिकारी एवं छात्र–छात्राएं योग करेंगे। बैठक में कुलपति प्रो0 गोयल ने बताया कि विश्वविद्यालय से सम्बद्ध सात जिलों के 763 महाविद्यालय के लगभग दो लाख अस्सी हजार विद्यार्थियों, प्राचार्यों, शिक्षकों, जिले के आलाअधिकारियों, कर्मचारियों, प्रबुद्धजन के साथ अन्तरराष्ट्रीय योग दिवस को भव्य मनाया जायेगा।

सड़क हादसे में मजदूर की मौत

लखनऊ। थाना इटौंजा क्षेत्र में सड़क हादसे में एक मजदूर की मौत हो गई। फोन के जरिये इटौंजा पुलिस को सूचना मिली कि इंटौंजा कुर्सी रोड पर ग्राम भिखारीपुर के पास रोड एक्सीडेंट हो गया है।

जिसमें एक व्यक्ति की मौत हो गई है। सूचना पर उप निरीक्षक धर्मेंद्र जैन ने मौके पर पहुंचकर शव को कब्जे में लिया। उनके द्वारा बताया गया कि मृतक की पहचान मनोज रावत उम्र करीब तीस वर्ष पुत्र स्व. शिव विशाल निवासी ग्राम परसहिया थाना इटौंजा लखनऊ के रूप में ग्राम परसहिया के प्रधान राजू रावत द्वारा की गई। मनोज रावत 18 जून को समय करीब सात बजे शाम को इटौंजा से अपने घर अपनी बाइक से जा रहा था कि कुर्सी रोड ग्राम भिखारीपुर के पास एक अज्ञात वाहन की चपेट में आने से मनोज की मौके पर ही मौत हो गई। मृतक मजदूरी करता था एवं उसके दो बच्चे हैं।

कार पार्किंग को लेकर दबंगों ने एक परिवार के सदस्यों की जमकर की पिटाई

सिधौली (सीतापुर)। बीती रात कस्बा के बिसवां चौराहा स्थित एक ढाबा पर कार पार्किंग को लेकर दबंगों ने एक परिवार के सदस्यों को जमकर पीट दिया। महिलाओं से अभद्रता की और पिटाई भी की। मारपीट का सीसीटीवी फुटेज भी वायरल हो गये। पीड़िता तहरीर पर कोतवाली पुलिस ने 3 नामजद व एक दर्जन अज्ञात लोगों के विरुद्ध मुकदमा दर्ज किया है। पीड़िता प्रीति तिवारी पत्नी अनिल तिवारी 535/195 सेक्टर बी अलीगंज लखनऊ ने तहरीर में बताया है कि वह लोग अपने परिवार के साथ नैमिषारण्य मां ललिता देवी दर्शन कर वापस जा रहे थे। तभी सिधौली कस्बे के बिसवां चौराहे पर रविवार की रात्रि नौ बजे के करीब जनता ढाबा पर चाय पीने के लिए रुके थे। कार पार्किंग को लेकर कुछ लड़के आये और अभद्रता पूर्वक कार हटाने को कहा तो उन लोगों ने अपनी कार हटा कर अन्य स्थान पर खड़ी कर दी। उसके बाद वह लड़के करीब आधा दर्जन लोगों के साथ अवैध असलहों से लैस होकर पहुंच गए और उनके परिवार के अभय मिश्र पर जानलेवा हमला कर दिया। बचाव में राहुल पांडे पर ढाबे के बाहर रखे स्टील के डस्टबिन सिर पर मार दिया। परिवार की महिलाओं प्रीति मिश्र 40, कौशिकी तिवारी 28, निर्भय मिश्र 32, आर्य मिश्र नाबालिक को भी जमकर पीटा। मारपीट में दबंगों ने राहुल पांडे के हाथ से सोने की अंगूठी व प्रीति मिश्र के गले में पहनी, सोने की चैन भी दबंगों ने छीन ली और फरार हो गये। पूरे घटना क्रम में काफी संख्या में लोग एकत्र हो गये। चोटिल हुए घायलों को सीएचसी सिधौली में भर्ती करवाया गया। जहां पर देर शाम तक उनका इलाज किया गया। कोतवाली पुलिस ने तीन लोगों जीशान, राहुल सिंह, आलोक सिंह निवासी मोहल्ला गांधीनगर कस्बा सिधौली व 10 से 12 अज्ञात व घटना में प्रयुक्त करके विरुद्ध 147, 352, 506, 392, 323 मुकदमा पंजीकृत कर लिया और कार्यवाही शुरू की। उक्त मारपीट में ढाबा पर लगे सीसीटीवी वीडियो भी सामने आया है। बताते हैं इस मारपीट में एक पुलिस कर्मी युवक भी शामिल था। जो वर्तमान में पीएसी में तैनात है।

यूपी पुलिस के लिए चुनौती बनीं ये चार माफिया बीबियाँ

प्रयाग दर्पण संवाददाता

प्रयागराज। कहते है कि अपराधी ज्यादा दिनों तक पुलिस की पकड़ से नहीं बच सकता,लेकिन इसे उत्तर प्रदेश के चार माफियाओं की पत्नियों ने गलत साबित कर दिया है।इनमें से तीन माफियाओं की हत्या हो चुकी है और एक माफिया पिछले कई सालों से सलाखों के पीछे है।इन माफियाओं की पत्नियों पर मामले दर्ज हैं,लेकिन इनको पुलिस पकड़ नहीं पा रही हैं। इनको पकड़ध्ने के लिए पुलिस–प्रशासन ने स्पेशल टीम बना रखी हैं,लेकिन असफलता ही हाथ लग रही है।

लिस्ट में पहला नाम माफिया अतीक की पत्नी शाइस्ता का इन चार पत्नियों में सबसे पहला नाम है कुख्यात माफिया अतीक अहमद की पत्नी शाइस्ता परवीन का।पुलिस की वांटेड लिस्ट में सबसे पहले और सबसे बड़ा नाम शाइस्ता का ही है। उमेश पाल हत्याकांड से पहले शाइस्ता प्रयागराज से बहुजन समाज पार्टी की मेयर पद की उम्मीदवार थी,लेकिन इस उमेश पाल हत्याकांड ने शाइस्ता का सबकुछ बदल कर रख दिया। शाइस्ता उमेश पाल हत्याकांड के बाद से फरारी काट रही है, पुलिस शाइस्ता को अब तक गिरफ्तार नहीं कर सकी है।

पुलिस ने दावा किया कि शाइस्ता उमेश पाल हत्याकांड की मास्टरमाइंड थी और उसने शूटरों को पैसे दिए थे। हत्याकांड में शामिल शूटरों में से एक शाइस्ता के तीसरे बेटे असद की 13 अप्रैल को झांसी में एसटीएफ ने मार गिराया। इसके दो दिन बाद 15 अप्रैल को माफिया अतीक अहमद और उसका भाई माफिया अशरफ को तीन हमलावरों ने पुलिस हिरासत में गोली मारकर हत्या कर दी थी।शाइस्ता के पति, बेटे और देवर को कसारी मसारी परिवार के कब्रिस्तान में एक दूसरे के पास दफनाया गया, लेकिन शाइस्ता उनके लिए शोक मनाने नहीं आई।

शाइस्ता पर है 50 हजार का इनाम माफिया अतीक अहमद की पत्नी शाइस्ता परवीन को गिरफ्तार करने के लिए एसटीएफ कब्रिस्तान में अलर्ट पर थी कि शाइस्ता आएगी, लेकिन ऐसा नहीं हुआ। लगभग चार महीने हो गए हैं, लेकिन शाइस्ता परवीन का कोई सुराग नहीं है। शाइस्ता पर 50 हजार का इनाम भी है। पुलिस उसकी तलाश में देश के कई राज्यों और शहरों में छापे मार चुकी है, लेकिन उसे सिवाय निराशा के कुछ और हाथ नहीं लग रहा है।माफिया अशरफ की पत्नी जैनब भी पुलिस की पहुंच से बाहर पुलिस को चकमा देने वाली दूसरी महिला मारे गए माफिया अशरफ की पत्नी जैनब फातिमा है।जैनब भी उमेश पाल हत्याकांड के बाद से फरारी काट रही है।पति अशरफ की हत्या हुई तब भी जैनब नहीं आई।जैनब उमेश पाल हत्याकांड में भी आरोपी है।जायदाद को लेकर शाइस्ता और जैनब के बीच अनबन की खबरें आ रही हैं।सूत्रों का यह भी दावा है कि दोनों एक साथ छिपी हुई हैं और आत्मसमर्पण करने के लिए सही समय का इंतजार कर रही हैं। माफिया मुख्तार अंसारी की पत्नी अफशा को भी तलाश रही है पुलिस फरार पत्नियों में तीसरा नाम जरायम की दुनिया का बेताज बादशाह बांदा जेल में बंद माफिया मुख्तार अंसारी की पत्नी अफशा अंसारी का है।मुख्तार अंसारी के अलावा बेटे अब्बास अंसारी और बहु निकहत अंसारी जेल में हैं, जबकि मुख्तार के बड़े भाई अफजाल अंसारी को भी हाल ही में गिरफ्तार किया गया था। अफशा पर नौ मामले दर्ज किए गए हैं।इनमें से कुछ मनी लॉन्ड्रिंग से जुड़े हुए हैं। पुलिस अंसारी बंधुओं के हर संभावित ठिकाने पर छापेमारी कर रही है,लेकिन अफशा अंसारी पकड़ से बाहर है।

चौथा नाम माफिया संजीव माहेश्वरी की पत्नी पायल का पुलिस की लिस्ट में चौथा नाम माफिया संजीव महेश्वरी जीवा की पत्नी पायल माहेश्वरी का है।संजीव की 7 जून को लखनऊ जिला न्यायालय कोर्ट में गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। पायल माहेश्वरी ने अपनी जान को खतरा होने का दावा करते हुए 8 जून को सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया था।पायल को डर था कि उसके पति की मृत्यु के बाद उसे गिरफ्तार किया जा सकता है और उसने कोर्ट में आग्रह किया कि वह अपने पति के अंतिम संस्कार में शामिल होना चाहती है। सुप्रीम कोर्ट ने पायल की याचिका को तत्काल सूचीबद्ध करने से इनकार कर दिया और बाद में अपने पति के दाह संस्कार में शामिल नहीं हुईं।बता दें कि पायल पर गैंगस्टर एक्ट के तहत मामला दर्ज किया गया था।

माफियाओं की फरार पत्नियों के मामले में एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बताया कि कई टीम इनकी तलाश में सक्रिय हैं। इनकी गिरफ्तारी से कई मामलों में नई बातें सामने आना तय है। उन्होंने कहा कि अतीक, अशरफ और मुख्तार की पत्नियां बुर्का पहनकर चलती हैं और बुर्के में किसी भी महिला को पहचान पाना बेहद ही मुश्किल भरा काम है, जिससे उन्हें खोजने में और परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है।

नशा उन्मूलन से होगी स्वस्थ समाज की स्थापनाः प्रो. सीमा सिंह

मुक्त विश्वविद्यालय ने निकाली नशा मुक्ति जागरुकता रैली

प्रयाग दर्पण संवाददाता

प्रयागराज। राज्य सरकार के निर्देशानुसार नशा मुक्ति को लेकर चलाये जा रहे जागरूकता कार्यक्रम के तहत उ.प्र. राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज के समाज विज्ञान विद्याशाखा द्वारा सोमवार को विश्वविद्यालय में नशा मुक्ति अभियान के लिए जागरूकता रैली आयोजित की गई।विश्वविद्यालय की कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह ने गंगा परिसर से जागरूकता रैली को आरम्भ करते हुए कहा कि हमें स्वयं को नशा मुक्त रखते हुए अपने आस–पास एवं समाज को नशा मुक्त करना है। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय परिसर में पान गुटखा तंबाकू एवं धूम्रपान पूर्ण रूप से निषेध है। उन्होंने कुलसचिव से कहा कि इसकी परस्पर निगरानी रखी जाए और अवहेलना होने पर स्पष्टीकरण मांगा जाए। प्रोफेसर सिंह ने कहा कि नशे के समूल उन्मूलन के लिए हम सभी के सामूहिक प्रयास की आवश्यकता है जिससे एक स्वस्थ समाज की स्थापना की जा सके। उन्होंने कहा कि परिसर को साफ सुथरा रखना हमारी प्राथमिकता है। कुलपति प्रोफेसर सिंह के निर्देशन में जागरूकता रैली गंगा परिसर से प्रारंभ होकर सरस्वती परिसर में समाप्त हुई।प्रारंभ में समाज विज्ञान विद्याशाखा के निदेशक प्रोफेसर एस कुमार ने कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह का स्वागत किया। उन्होंने कहा कि नशा एक सामाजिक बुराई है। यह व्यक्ति के विकास के साथ राष्ट्र के विकास में बाधक है।आयोजन सचिव डॉ. मनोज कुमार ने कार्यक्रम की उपयोगिता के बारे में बताते हुए कहा कि हमारा कर्त्तव्य है कि हम स्वयं नशे के प्रति जागरूक हों तथा अपने परिवार, बच्चों एवं समाज को इसके भयावह परिणामों के बारे में जागरूक करें। शांतिपुरम क्षेत्र में गंगा परिसर से निकली रैली लोगों के आकर्षण का केंद्र बनी रही। रैली में कुलसचिव कर्नल विनय कुमार, प्रोफेसर संतोषा कुमार, प्रोफेसर पी के स्टालिन, प्रोफेसर आशुतोष गुप्ता, प्रोफेसर विनोद कुमार गुप्ता, डॉ. आनन्दानन्द त्रिपाठी, डॉ. संजय कुमार सिंह, डॉ. सुनील कुमार, डॉ सतीश चंद्र जैसल, प्रो. एम. एन. सिंह, प्रो. पी. एल. विश्वकर्मा, डॉ. अरूण कुमार वर्मा, डॉ. वन्दना वर्मा, डॉ. दीपशिखा श्रीवास्तव, डॉ. अभिषेक सिंह, डॉ. सुभाष चंद पाल, राजेश सिंह, डॉ. योगेश कुमार यादव, डॉ. सोहनी देवी, श्रीमती कामना यादव आदि उपस्थित थे।

संक्षिप्त खबरे

महिला शिक्षिका संघ ने सभी को कराया योग के प्रति जागरूक

प्रयागराज। प्रदेश अध्यक्ष श्रीमती सुलोचना मौर्य के आवाहन पर आज उ.प्र. महिला शिक्षक संघ जिला प्रयागराज द्वारा जिलाध्यक्ष श्रीमती अनुरागिनी सिंह के नेतृत्व में पदाधिकारियों व सदस्यों के साथ चंद्रशेखर आजाद पार्क मूर्ति के पास योगाभ्यास करके जनमानस को योग एवं अपने स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करने का प्रयास किया गया। सुश्री अंजली मौर्य व रचना भटनागर जिन्होंने राज्यस्तरीय योगाभ्यास प्रशिक्षण लिया है। उन्होंने सभी को योगाभ्यास कराया। चंद्रशेखर आजाद पार्क में उपस्थित सभी लोगों को अपने शरीर को स्वस्थ रखने हेतु जागरूक रहने और योग के लाभ व महत्व को बताया। इस अवसर पर सूर्य नमस्कार, कपालभांति, अनुलोम विलोम, व सभी प्रकार के आसन कराए गए। रचना भटनागर द्वारा शीर्षासन करके लोगों को विस्मित कर दिया गया। योगाभ्यास 1 घंटे से अधिक चला। इस अवसर पर मंडल महामंत्री सुश्री अंजली मौर्य, जिलाध्यक्ष अनुरागिनी सिंह, महामंत्री संगीता सिंह सहित कविता त्रिपाठी, इंदु शर्मा, पूनम यादव, रचना भटनागर, मोनिका द्विवेदी, अलका जायसवाल, संध्या जायसवाल, जिला पदाधिकारी के साथ सहित ब्लॉक से वर्षा श्रीवास्तव कल्पना शुक्ला, अनुपमा, रिशि, सरिता, मनीषा, लक्ष्मी सोनकर, मोनिका श्रीवास्तव समेत अन्य सदस्य शिक्षिका बहनें उपस्थित रहीं।

कलयुगी पुत्र ने मां को मौत के घाट को उतारा

इन्दारा, मऊ। कोपागंज थाना अंतर्गत के कसारा गांव में रविवार की रात कलयुगी पुत्र दिलीप ने अपनी पत्नी को उनके मायके छोड़कर वापस घर लौटा तो माता अमेरिका देवी (50) व पिता मुन्नीलाल (52) ने बहु को वापस अपने साथ लेकर नहीं लाने पर पुत्र को जमकर डाट फटकार लगाने लगे इसी बात को लेकर गुस्साए कलयुगी पुत्र ने अपने माता पिता को लाठी डंडे से मारपीट कर अधमरा कर दिया। पड़ोसियों ने दोनों को आनन फानन में सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र कोपागंज में भर्ती कराया। जहाँ दोनों की हालत गंभीर देखते हुए चिकित्सक ने जिला अस्पताल रेफर कर दिया। जिससे जिला अस्पताल में पहुचते ही रास्ते में महिला की मौत हो गयी। कोपागंज थाना अंतर्गत कसारा के राजभर बस्त्ति निवासी दिलीप अपनी पत्नी को उनके मायके छोड़कर वापस घर लौटा तो माता व पिता ने बहु को वापस अपने साथ लेकर नहीं लाने पर पुत्र को जमकर डाट फटकार लगाने लगे कि अब धान की रोपनी शुरू होने वाली है। और लेकर नहीं आए। इसी बात को लेकर गुस्साए कलयुगी पुत्र ने अपने माता पिता को लाठी डंडे से मारपीट कर अधमरा कर दिया। और देखते ही देखते मृतक महिला छटपटा कर गिर गयी और बेहोश हो गयी। वही प्रौढ़ का सर बुरी तरह से फट गया और वह भी गिर गया। गांव के लोगों ने जिला अस्पताल भेजावाया जिसकी इलाज के दौरान महिला की मौत हो गयी। सोमवार को सुबह घायल पिता थाने पहुंच पुलिस को मामले से अवगत कराया। पुलिस ने मामले की छानबीन में कर रही है।

पुलिस ने दबोचा वारंटी

चित्रकूट। पुलिस अधीक्षक श्रीमती वृंदा शुक्ला के निर्देश पर वांछितध्वारंटी की गिरफ्तारी को जारी अभियान में सरधुवा थानाध्यक्ष दीपेन्द्र सिंह की अगुवाई दरोगा अनिल कुमार गुप्ता की टीम ने एक वारंटी को दबोचा है।सोमवार को सरधुवा थाने के दरोगा अनिल कुमार गुप्ता ने वारंटी विद्यासागर यादव उर्फ राजा पुत्र भूषण यादव निवासी खटिपारी का पुरवा को गिरफ्तार किया है। टीम में दरोगा अनिल कुमार गुप्ता, सिपाही ललित सोनी शामिल रहे।

करका जंगल में फंदे से लटका मिला शव

चित्रकूट। मानिकपुर तहसील क्षेत्र के बहिलपुरवा थाना क्षेत्र के करका पडरिया जंगल में फांसी के फंदे से लटके मिले शव की जांच में पुलिस जुट गई है। सोमवार को मानिकपुर थाने के चूल्ही गांव का कुंजन पैदल देर शाम जंगल के रास्ते करका पडरिया अपने चचेरे भाई मन्ना कोल के घर जा रहे थे। सोमवार को सवेरे ग्रामीणों ने बहिलपुरवा थाने में सूचना दी कि एक व्यक्ति का शव जंगल मे आम के पेड़ में रस्सी से लटक रहा है। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को फंदे से निकालकर जांच में जुट गई है।बताया गया कि मृतक के खिलाफ बुधवार को एक महिला ने एसडीएम मानिकपुर को छेड़छाड़ मामले का प्रार्थना पत्र दिया था। पूरे मामले में बराह गांव के मुखिया भूपेंद्र सिंह पटेल ने बताया कि सवेरे फोन आया था कि गांव में शव फांसी के फंदे से लटका है।

तेंदूपत्ता के विवाद के चलते कुछ दिन पहले गांव की महिला से विवाद हुआ था।बहिलपुरवा थाने के कमलेश कुमार ने बताया कि झंडे की पत्नी समनी देवी ने पति चुनबाद घर से दारू पीकर शाम को निकल गया था। करका जंगल में उसका शव पेड़ से लटका मिला। पुलिस ने कहा कि मामले की जांच कर कार्रवाई की जाएगी।

विद्युत शॉर्ट सर्किट से घर में लगी आग

मथुरा। कोसीकलां में बिजली के शॉर्ट सर्किट से रविवार की रात लगी आग से एक मकान का सारा सामान जलकर राख हो गया। इससे पीड़ित को करीब दो लाख रुपये का नुकसान हुआ है। मौके पर पहुंची पुलिस और फायरकर्मियों ने कडी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया लेकिन तब तक सब कुछ खाक हो गया। शहर के नंदगांव रोड स्थित 30 फुटा रोड निवासी प्रेमपाल सिंह पुत्र राधेलाल के मकान में शॉर्ट सर्किट से उस समय आग लग गई जब घर पर कोई नहीं था। पडोसियों ने घर से तेज धुआं का गुबार उडता देख इसकी सूचना पुलिस और फायर कर्मियों को दी। आग विकराल रूप ले चुकी थी। सूचना के करीब आधा घंटे बाद पहुंचे फायरकर्मियों ने कडी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया, लेकिन जब तक कमरे रखा सारा जलकर खाक हो चुका था। आग लगने से प्रेमपाल सिंह का करीब दो लाख रुपये का नुकसान हुआ है। पीडित ने जिला प्रशासन ने आर्थिक मदद दिलाए जाने की मांग की है।

पीएम के नेतृत्व में देश विश्व का कर रहा मार्गदर्शनः गणेश केसरवानी

मोदी सरकार में देश का नागरिक अमन चौन से कर रहा है जीवन यापन

प्रयाग दर्पण संवाददाता

प्रयागराज। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के नौ वर्ष का कार्यकाल पूर्ण होने पर भाजपा महानगर के द्वारा शहर पश्चिमी विधानसभा की वरिष्ठ कार्यकर्ता सम्मेलन हनुमान वाटिका सुलेम सराय में आयोजित की गई इस अवसर पर महापौर गणेश केसरवानी ने कहा मोदी सरकार की पहचान गरीब कल्याण, सेवा और सुशासन की है। वैश्विक मंच पर भारत की पहचान शक्ति संपन्न देश की है।राष्ट्र प्रथम प्रधानमंत्री का मूल मंत्र है।देश पिछले नौ वर्षो में सरकार की योजनाएं अंतिम छोर पर खड़े व्यक्ति तक पहुंच रही हैं।उन्होंने कहा पीएम के नेतृत्व में देश विश्व का मार्गदर्शन कर रहा है।इस अवसर पर संसद केसरी देवी पटेल ने अपनी व सरकार की तमाम उपलब्धियों को गिनाते हुए कहा पहले प्रधानमंत्री कहते थे 100 पैसों में से ध्15 पहुंचते हैं।आज जन– धन खाते के माध्यम से 100 के 100 पैसे पहुंचते हैं।पीएम आवास योजना के तहत 3 करोड़ से ज्यादा पक्के घरो का निर्माण हुआ है।2014 में आम।आदमी की सालाना आय जहां 80 हजार थी आज बढ़कर 1.70 लाख रुपए हो गई है।केन्द्र सरकार ने रोजगार मेले के माध्यम से 3.59 लाख युवाओ को नियुक्ति पत्र दिया है।उन्होंने बताया 2014 से अब तक कुल 225 नए मेडिकल कॉलेज का निर्माण किया गया। 7 नए प्प्ड व प्प्ज स्थापित किए गए। देश भर में 320 नए विश्वविद्यालय खोले गए। देश का प्रत्येक नागरिक आज अमन–चौन के साथ अपना जीवन यापन कर रहा है।

एसपी के निर्देश पर परामर्श केन्द्र में दो दम्पतियों में हुई सुलह

चित्रकूट। पुलिस अधीक्षक श्रीमती वृन्दा शुक्ला के निर्देश पर सामाजिक रिश्तों को बचाने को जारी प्रयास में पुलिस कार्यालय स्थित परिवार परामर्श केन्द्र में पुलिस टीम ने पारिवारिक विवाद को समाप्त कराकर दो दम्पत्ति जोड़ों में सुलह कराई।

सोमवार को कोतवाली कर्वी के नींबी रेहुटिया की श्रीमती रचना देवी पत्नी शिवसिंह ने पुलिस अधीक्षक को सौंपे पत्र में कहा कि पति शिव सिंह पुत्र भैंरोप्रसाद निवासी पश्चिम शरीरा जिला कौशाम्बी उसके साथ मारपीट एवं गाली–गलौज करते हैं। इसी क्रम में रैपुरा थाने के घेरहटा गांव के कुलदीप उर्फ मनीष पुत्र देवीदयाल ने भी एसपी को सौंपे पत्र में कहा कि पत्नी मनदेवी पुत्री गया प्रसाद निवासी औझर थाना मऊ उसके साथ झगड़ा करती है। सही से नहीं रहती है।

पुलिस अधीक्षक ने दोनों मामलों के निस्तारण की जिम्मेदारी प्रभारी परिवार परामर्श केन्द्र को सौंपी।

झुग्गी झोपड़ियों में शिक्षा की अलख जगाने के जुनून को मिला सम्मान

मथुरा। झुग्गी झोपड़ियों में शिक्षा की अलख जगाने के लिए सामाजिक कार्यकर्ता सतीश चंद्र शर्मा को सम्मानित किया गया। सतीश चंद्र शर्मा मलिन बस्तियों में शिक्षा की ज्योति जलाने के लिए अपने जीवन के महत्वपूर्ण वर्ष लगा चुके हैं। उन्हें सांसद मुकेश राजपूत एवं आईआरएस अमर पाल सिंह ने उन्हें एक कार्यक्रम में सम्मानित किया। सामाजिक संस्था लक्ष्य मथुरा इकाई द्वारा प्रतिभा सम्मान समारोह एवं कैरियर काउंसलिंग विषय पर बीएससी इंजीनियरिंग कॉलेज मथुरा में कार्यक्रम आयोजित किया गया। सामाजिक कार्यकर्ता सतीश चंद्र शर्मा द्वारा वर्ष 2008 से शिक्षा से वंचित झुग्गी झोपड़ियों में रहने वाले एवं गरीब परिवारों के सैकड़ों बच्चों को शिक्षा संस्कार एवं समाज की मुख्यधारा से जोड़ने का काम किया जा रहा है।शिक्षा से वंचित बच्चो को शिक्षा की मुख्यधारा से जोड़ने एवं सतत सामाजिक सेवा कार्यों की वजह से सामाजिक संस्था लक्ष्य द्वारा बीएसए इंजीनियरिंग कॉलेज मथुरा में प्रतिभा सम्मान समारोह में सामाजिक कार्यकर्ता एवं किशोर न्याय बोर्ड सदस्य सतीश चंद्र शर्मा को फरुखाबाद सांसद मुकेश राजपूत जी एवं अमर पाल सिंह(आई.आर.एस) द्वारा सम्मानित किया गया। सामाजिक कार्यकर्ता सतीश चंद्र शर्मा द्वारा संचालित जस्टिस फॉर चिल्ड्रन स्ट्रीट स्कूल सेंटर के माध्यम से लगभग 300 बच्चों को शिक्षा की मुख्यधारा से जोड़ने का कार्य वॉलिंटियर्स की मदद से किया जा रहा है सतीश चंद्र शर्मा वर्ष 2010 से 2016 तक जिला बाल कल्याण समिति न्याय पीठ मथुरा के भी सदस्य रहे है तथा विभिन्न संस्थाओं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण मथुरा नागरिक सुरक्षा संगठन मथुरा नेहरू युवा केंद्र मथुरा सर्व मंगलम सेवा संस्थान के माध्यम से सतत सामाजिक सेवा कार्य किए है और जस्टिस फॉर चिल्ड्रन एंड वूमेन सोसायटी के माध्यम से कर रहे हैं। कार्यक्रम में पूर्व मंत्री मानपाल सिंह, फर्रुखाबाद सांसद मुकेश राजपूत, आईआरएस अमर पाल सिंह, आईपीएस केपी सिंह निवर्तवान एआरटीओ ओपी राजपूत, मुख्य प्रबंधक लोकेश कुमार, एवं अन्य गणमान्य अतिथि एवं सैकड़ों लोग उपस्थित रहे।

जैविक खेती पर तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का समापन

प्रयाग दर्पण संवाददाता

प्रयागराज। सोसायटी आफ बायोलॉजिकल साइंसेज एंड रूलर डेवलपमेंट में चल रहे तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का समापन आज हो गया। समापन कार्यक्रम में सभी का स्वागत डॉक्टर विनी जॉन ने किया।समापन कार्यक्रम की मुख्य वक्ता डॉ हेमलता पंत सचिव एस वी एस आर डी प्रयागराज ने जैव उर्वरक एवं जैव कीटनाशक की महत्ता पर अपना व्याख्यान देते हुए बताया कि जैव उर्वरक मुख्यतः सूक्ष्म जीवों जैसे जीवाणु ,फफूद फर्न एवं शैवाल के उत्पाद है, जो मृदा में पोषक तत्वों की उपलब्धता को बढ़ाने हेतु प्रयोग किए जाते हैं। डॉक्टर पंत ने राइजोबियम, एजोटोबैक्टर, नील हरित शैवाल, एजोला, वैसिलस एवम् वाम फफुद पर विस्तृत चर्चा की।

जैव कीटनाशियो में ट्राइकोडर्मा , ब्यूवेरिया बैसियाना , ट्राइकोकार्ड, एन पी वी आदि पर प्रकाश डाला। डॉ पंत ने कहा कि जैव उर्वरक रासायनिक उर्वरक के पूरक व सस्ते होते हैं। मृदा की उर्वरा शक्ति को बढ़ाते के साथ पर्यावरण को भी हानि नहीं पहुंचते है। इसी प्रकार केवल लक्ष्य को ही मारते हैं, मित्र कीटों को इनसे कोई हानि नहीं होती है। जैव उर्वरक के प्रयोग से उत्पादों का रंग, स्वाद, चमक बढ़ जाती है। समापन कार्यक्रम के दूसरे वक्ता डॉक्टर अमित कुमार मौर्य असिस्टेंट प्रोफेसर पादप रोग , विज्ञान विभाग घनश्याम उर्वशी पी जी कॉलेज फूलपुर ने मशरूम उत्पादन के बारे में बची हुई खाद जिसे स्पेंट कंपोस्ट कहा जाता है उसे पर प्रकाश डाला। डॉ मौर्या के अनुसार स्पेंट कंपोस्ट का प्रयोग सभी में कर सकते हैं। यह पोशकीय गुणों से भरपूर जैविक खाद है।कार्यक्रम में डॉ मनोज कुमार सिंह ,डॉक्टर देवेंद्र स्वरूप ,डॉक्टर ज्योति वर्मा डॉक्टर विजय रंजन चौधरी डॉक्टर, डॉ मधुमिता, डॉ पल्लवी राय सहित 50 प्रशिक्षणार्थी उपस्थित रहे।

अज्ञात कारणों से झोपड़ी में लगी आग, एक व्यक्ति की मौत

मुहम्मदाबाद गोहना, मऊ। रानीपुर थाना के ग्राम मंडूसरा बुजुर्ग में एक झोपड़ी में अज्ञात कारणों से लगी आग में झुलस कर एक व्यक्ति की मौत हो गई। मौके पर पहुंची पुलिस ने पूछताछ कर शव को अंत्य परीक्षण के लिए भिजवाया। बताते चलें कि उक्त गांव में कई साल से मृतक मुन्ना पाल पुत्र किशनपाल उम्र लगभग 45 साल जो आजमगढ़ जनपद के चक्रपानपुर के निकट जहानागंज थाना अंतर्गत कनेरा ग्राम का निवासी था। वह अपनी पत्नी के साथ यहीं ससुराल में रहता था। उसकी पत्नी का नाम सीमा पाल था जिनके बीच कुछ दिन पहले झगड़ा और मारपीट हुआ था। इससे उसकी पत्नी रूठ अपनी बुवा के घर चली गई थी। उसकी सास सरस्वती देवी राशन लेने बंशी कोटेदार की दुकान पर गई थी। उसी समय अज्ञात कारणों से झोपड़ी में आग लग गई और झोपड़ी में सोया हुआ मुन्ना पाल झुलस कर मर गया।

कांग्रेसजनों ने जन्मदिन पर राहुल को देश का भविष्य बताया

प्रयागराज। शहर कांग्रेस कमेटी के सदस्यों ने पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी का 53वां जन्मदिन संकल्प–दिवस के रूप में मनाया। प्रातः आनंद भवन गेट पर शहर अध्यक्ष प्रदीप अंशुमन के नेतृत्व में पार्टीजनों ने केक काटा और मिठाईयाँ बांटी। वक्ताओं ने राहुल गांधी को भारत का भविष्य बताते कहा कि उनके निरंतर अभियान से पीएम मोदी, भाजपा और आरएसएस में घबराहट और बेचौनी है। राहुल द्वारा मोदी को मजबूत और अग्रणी चुनौती देने के कारण साजिश के तहत संसद में अयोग्य ठहराया गया क्यों कि उन्होंने भाजपा के भ्रष्टाचार तथा मोदी से अडानी के संबंधों और शेल कंपनियों में निवेश 20 हजार करोड़ रुपये पर सवाल उठाए थे। वकताओं ने राहुल की भारत जोड़ो यात्रा के जरिए देश में अमन और लोकतंत्र बचाने की प्रंशसा भी की। कांग्रेसजनों ने राहुल को ईमानदार, सच बोलने वाला बेहद सहज इंसान बताते दीर्घायु और यशस्वी होने की कामना की। कहा कि उनके व्यक्तित्व और डरो मत के नारे से देश और विदेशों के युवा बेहद आकर्षित हैं। यह भी कहा कि उनमें पिता राजीव गांधी की छवि व क्षमता देखने को मिलती है। बाद में कांग्रेसियों ने मलिन व दलित बस्तियों तथा अनाथ आश्रमों में भोजन, फल तथा वस्त्र वितरित किये।

इस अवसर पर पूर्व विधायक अनुग्रह नारायण सिंह , प्रदेश कांग्रेस कमेटी के पूर्व प्रवक्ता किशोर वार्ष्णेय, रघुनाथ द्विवेदी, रवींद्र सिंह, अशोक श्रीवास्तव, फुजैल हाशमी, हरिकेश त्रिपाठी, राम मनोरथ सरोज , प्रदीप द्विवेदी, परवेज सिद्दीकी, राकेश श्रीवास्तव, रजनीश विश्रामदास, इरशाद उल्ला, अतुल श्रीवास्तव, दिवाकर भारतीय, अभिषेक शुक्ला, सतीश सरोज, अजय पाण्डेय बागी, डा. घनश्याम, नंदू पासी आदि मौजूद थे।

मुख्यमंत्री सोलर-पंप योजना की तरफ बढ़ा किसानो का रुझान

प्रयागराज में कृषि विभाग ने किसानो को वितरित किये 514 सोलर पंप

प्रयाग दर्पण संवाददाता

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश में किसानो की आय बढ़ाने के लिए योगी सरकार संकल्पित है। सरकार की मुख्यमंत्री सोलर–पंप योजना इसके लिए एक माध्यम बन गयी है। योजना से जहां किसानो का डीजल में लगने वाला पैसा बच रहा है तो वहीं ग्रामीण क्षेत्रो में खेतों की सिंचाई के लिए बिजली पर उनकी निर्भरता भी कम हो रही है। प्रयागराज में इस योजना का लाभ लेने वाले किसानो की संख्या में तेजी से वृद्धि हुई है। आर्थिक रूप से कमजोर ऐसे किसान जो डीजल का खर्च वहन नहीं कर सकते है या जिन किसान के इलाकों में बिजली आपूर्ति की समस्या है वह इस योजना का लाभ ले सकते हैं। मुख्यमंत्री सोलर–पंप योजना का उद्देश्य उत्तर प्रदेश के किसानो की आय को दोगुना करना और ऊर्जा के परम्परागत स्रोतों पर किसान की निर्भरता को कम करना है। इस योजना के तहत किसानो को 2 हॉर्स पॉवर या 3 हॉर्स पॉवर के सोलर पंप वितरित किये जाते हैं। प्रदेश सरकार इन्हें लगवाने में आर्थिक सहयोग दे रही है। इस योजना के तहत सोलर पंप खरीदने वाले पात्र किसान को सोलर पंप की कीमत पर लगभग 40 फीसदी से 70 फीसदी तक की सब्सिडी प्रदान की जा रही है। योजना के अंतर्गत मिलने वाले लाभ के कारण राज्य के किसानो को अपनी फसल की समय पर सिंचाई ना कर पाने की परेशानी कम हो रही है और किसान अपनी फसल की सिंचाई समय पर कर रहा है।प्रयागराज में किसान योगी सरकार की मुख्यमंत्री सोलर–पंप योजना का बढ़ चढ़कर लाभ ले रहे हैं। जिले में किसानो के बीच सोलर पंपों की मांग तेजी से बढ़ रही है। प्रयागराज के कृषि उप निदेशक विनोद कुमार बताते हैं कि विगत 5 वर्षों में जिले में सोलर पंप की मांग में 5 गुना बढ़ोतरी दर्ज की गई है। कृषि विभाग की तरफ से वर्ष 2017 में जहां केवल 44 सोलर पंप दिए गए थे वहीं वित्तीय वर्ष 2022–23 में इनकी संख्या बढ़कर 514 पंप पहुँच गई है। किसानो की तरफ से लगातार सोलर पंप की मांग बढ़ती जा रही है। मौजूदा वित्तीय वर्ष में किसानो की मांग पर विभाग ने 1000 सोलर पंप का प्रस्ताव शासन को भेजा है। जिले के यमुना पार इलाके में जल स्रोतों की अधिक समस्या होने के कारण उस इलाके से इनकी मांग अधिक है।

ऊर्जा के नवीकरणीय स्रोत पर निर्भरता ने बढ़ाई मांग

प्रयागराज। प्रदेश सरकार की ऊर्जा नीति का भी एक उद्देश्य ऊर्जा के परम्परागत स्रोतों पर निरन्तर निर्भरता कम करना और गैर परम्परागत ऊर्जा स्रोतों की तरफ आगे बढ़ना भी है।

स्वस्थ हुए भगवान जगन्नाथ लगा उन्हें लीची के जूस का भोग

प्रयागराज। श्री जगन्नाथ जी महोत्सव समिति ट्रस्ट प्रयागराज के द्वारा आज 20 जून को सुबह 10:00 बजे आर्य भवन जीरो रोड से ट्रस्ट के अध्यक्ष दुर्गा प्रसाद गुप्ता एवं रथ यात्रा संयोजक बसंत लाल आजाद के नेतृत्व में धूमधाम के साथ भगवान जगन्नाथ जी की रथ यात्रा निकल जाएगी। इसके पूर्व भगवान जगन्नाथ जी की सनातन विधि परंपरा के अनुसार पूजन अर्चन एवं महा आरती की जाएगी।रथ यात्रा सह संयोजक राजेश केसरवानी ने बताया कि रथ यात्रा में भगवान जगन्नाथ जी का राजशाही दरबार, एरावत हाथी, भगवान गणेश, गरुण देव, शेषावतार नारायण, नरसिंह भगवान,राधा कृष्ण, इंद्रदेव, पांच पांडव, हनुमान जी महाराज, मां काली मां ,भगवान श्री कृष्ण का महारास की झांकी शामिल रहेगी रथ यात्रा में डीजे बैंड, ध्वज पताका ,भांगड़ा एवं नगाड़ा शामिल रहेंगे और रथ यात्रा अपने निर्धारित मार्ग अग्रसेन चौराहा, चमेली बाई धर्मशाला, जॉनसेनगंज, घंटाघर ,लोकनाथ बहादुरगंज, राम भवन, मुट्ठीगंज हटिया पुलिस बूथ ,बांस मंडी बलुआ घाट, कटघर से होते हुए काशी राजनगर स्थित प्रयागेश्वर मंदिर में विश्राम लेगी उन्होंने आगे बताया आज भगवान जगन्नाथ जी के स्वस्थ होने पर भक्तों में अपार हर्ष रहा और उन्हें लीची के जूस का भोग लगाया गया। अंत में भगवान जगन्नाथ जी की मां आरती की गई जिसमें ट्रस्ट के अध्यक्ष दुर्गा प्रसाद गुप्ता बसंत लाल आजाद, जयराम गुप्ता, दाऊ दयाल गुप्ता, गगन दास गुप्ता, राजेश केसरवानी, विजय वैश्य, त्रिलोकी केसरवानी, गीता गुप्ता अमर वैश्य मुन्ना भैया, हैप्पी कसेरा एवं सैकड़ो भक्तगण उपस्थित रहे।

स्वत्वाधिकारी मुद्रक, प्रकाशक स्वतंत्र कुमार शुक्ल (याग्यवल्क्य) द्वारा रमा प्रिंटिंग प्रेस 53/25/1–ए, बेली रोड, नया कटरा, इलाहाबाद से मुद्रित कराकर, 1269/1073 मां श्री आश्रम, मालवीय नगर, बाबा जी का बाग, प्रयागराज से प्रकाशित।

–ः संस्थापक ः–

स्व0 श्रीकांत शुक्ल उर्फ स्वामी कांतेश्वरानंद भारती काली बाबा

संपादक

स्वतंत्र कुमार शुक्ल (याग्यवल्क्य)

मोबाइल नंबर 9450475366

Email

prayagdarpan@gmail.com

R.N.I. NO.UPHIN/2014/59804

इस अंक में प्रकाशित समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पीआरबी एक्ट के अंतर्गत उत्तरदाई तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन होंगे।